■ फाल्गुन कृष्णा - 13 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 222 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 08-03-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अब आर्थिक कानूनों में बदलाव करने की जरूरत : वैष्णव
6 भगवान शिव का पर्व है महाशिवरात्रि
7 किरदार को महसूस करना जरूरी है : मौनी

## फर्स्ट टेक

### मोहम्मद कासिम गुज्जर आतंकवादी घोषित

**नई दिल्ली /एजेन्सी।** मोदी सरकार ने कई आतंकवादी हमलों के मास्टरमाइंड मोहम्मद क़ासिम गुज्जर उर्फ सलमान उर्फ सुलेमान को आतंकवादी घोषित किया है। गृह मंत्री कार्यालय ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लश्कर-ए-तैय्यबा का ऑपरेटिव मोहम्मद क़ासिम गुज्जर आतंकवादी हमलों के ज़रिये कई मौतों का ज़िम्मेदार है और भारत के विरुद्ध युद्ध की योजना में शामिल रहा है। मंत्रालय ने कहा, देश की एकता और अखंडता के खिलाफ गतिविधियों में लिप्त पाये गये किसी भी व्यक्ति के साथ सख्ती से निपटा जायेगा।

### फर्जी आईटीसी का दावा करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

**नई दिल्ली/भाषा।** मेरठ सीजीएसटी आयुक्त कार्यालय ने बृहस्पतिवार को 232 फर्जी कंपनियों के नेटवर्क के जरिये 1,000 करोड़ रुपये से अधिक के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का फर्जी दावा करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मेरठ आयुक्त कार्यालय की केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) की अपवंचना-रोधी शाखा ने अक्टूबर, 2023 में एक बड़े 'सिंडिकेट' की जांच शुरू की, जिसने फर्जी बिलिंग के जरिये धोखाधड़ी से आईटीसी का दावा किया था।

### नाइजीरिया में 200 लोगों का अपहरण

**अबूजा (नाइजीरिया)/एपी।** नाइजीरिया में हिंसा के कारण विस्थापित हुए कम से कम 200 लोगों को चाड से लगी सीमा के निकट जलावन लकड़ी तलाश करते समय इस्लामी चरमपंथियों ने अगवा कर लिया। नाइजीरिया में स्थित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने यह जानकारी दी। कार्यालय ने बताया कि अगवा किए गए लोगों में अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि पीड़ित बोर्नो राज्य के गैंबोरू नगाला परिषद क्षेत्र में जलावन लकड़ी की तलाश में कई विस्थापन शिविरों से निकले थे, तभी उन पर घात लगाकर हमला करके बंधक बना लिया गया।

| | |
|---|---|
| 08-03-2024 सूर्यास्त 6:18 बजे | 09-03-2024 सूर्योदय 6:20 बजे |
| BSE 74,119.39 (+33.40) | NSE 22,493.55 (+19.50) |
| सोना 6,606 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 77,000 रु. प्रति किलो |

### मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

#### पूर्वाग्रही लोग

रामलला जन-जन के,
पूज्य दुलारे हैं।
संविधान ने,
तथ्य सभी स्वीकारे हैं।
मंदिर पर जिनके भी,
तेवर खारे हैं।
लगता है वे,
राजनीति के मारे हैं।

## भारतीय संस्कृति की विरासत संस्कृत भाषा में संरक्षित है : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/एजेन्सी।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज कहा कि भारतीय संस्कृति की विरासत संस्कृत भाषा में संरक्षित है और इसमें उपलब्ध सांस्कृतिक जागरूकता का प्रसार करना राष्ट्र सेवा है।

श्रीमती मुर्मु ने गुरूवार को यहां केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में भाग लिया और छात्रों को संबोधित किया।

राष्ट्रपति ने कहा , भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव की भावना हमारी राष्ट्रीय चेतना का आधार है। अपने देश की समृद्ध संस्कृति का एहसास होने पर गर्व की भावना जागृत होती है। हमारी संस्कृति की विरासत संस्कृत भाषा में संरक्षित है। अतः संस्कृत भाषा में उपलब्ध सांस्कृतिक जागरूकता का प्रसार करना राष्ट्र सेवा है।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि संस्कृत भाषा ने विशाल देश की विविधता को एकता के सूत्र में पिरोया है। संस्कृत की शब्दावली से कई भारतीय भाषाएँ मजबूत हुई हैं और वे भाषाएँ विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों में फल-फूल रही हैं। यह न केवल ईश्वर की भाषा है बल्कि यह जन-जन की भी भाषा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि जिस भाषा में गार्गी, मैत्रेयी, अपाला और लोपामुद्रा जैसी महिला विद्वानों ने अमर योगदान दिया है, उस भाषा में महिलाओं की भागीदारी सबसे अधिक होनी चाहिए। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक विजेताओं में लड़के और लड़कियों की संख्या लगभग बराबर है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के प्रयासों के लिए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की सराहना की।

## '370' हटने के बाद खुलकर सांस ले रहा जम्मू-कश्मीर : प्रधानमंत्री

### करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**श्रीनगर/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और आज खुलकर के सांस ले रहा है।

मोदी ने 'विकसित भारत, विकसित जम्मू-कश्मीर' कार्यक्रम के तहत करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर और तेजी से विकास करेगा। उन्होंने कहा, ''मैं 2014 के बाद जब भी आया मैंने यही कहा कि मैं ये मेहनत आपका दिल जीतने के लिए कर रहा हूं, और मैं दिनों-दिन देख रहा हूं कि मैं आपका दिल जीतने की कोशिश में सही दिशा में जा रहा हूं। आपका दिल मैं जीत पाया हूं और ज्यादा जीतने की कोशिश मेरी जारी रहेगी। ये 'मोदी की गारंटी' है...मोदी सुज गारंटी! और आप जानते हैं, मोदी की गारंटी यानी, गारंटी पूरा होने की गारंटी।''

उन्होंने कांग्रेस पर अनुच्छेद 370 पर न केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों को बल्कि पूरे देश को गुमराह करने का आरोप लगाया और इसके अधिकतर प्रावधानों को हटाए जाने के हुए बदलावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''अनुच्छेद 370 से फायदा जम्मू-कश्मीर को था या कुछ राजनीतिक परिवार इसका लाभ उठा रहे थे... यहां की अवाम ये सच्चाई जान चुकी है कि उनको गुमराह किया गया था। कुछ परिवारों के फायदे के लिए जम्मू-कश्मीर को जंजीरों में जकड़ दिया गया था। आज 370 नहीं है, इसीलिए जम्मू-कश्मीर के युवाओं की प्रतिभा का पूरा सम्मान हो रहा है, उन्हें नए अवसर मिल रहे हैं। आज यहां सबके लिए समान अधिकार भी हैं, समान अवसर भी हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज जम्मू-कश्मीर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर आज खुलकर के सांस ले रहा है। बन्दिशों से ये आजादी अनुच्छेद 370 हटने के बाद आई है।''

प्रधानमंत्री ने आगामी रमजान के पवित्र महीने और महाशिवरात्रि के पर्व के लिए अपनी 'अग्रिम शुभकामनाएं' दीं। महाशिवरात्रि शुक्रवार को है। अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को खत्म किए जाने के बाद मोदी का कश्मीर घाटी का यह पहला दौरा था। प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे।

### मेरे पास अगले 25 वर्षों के लिए देश के विकास का खाका है : प्रधानमंत्री मोदी

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके पास अगले 25 वर्षों के लिए देश के विकास का खाका है, लेकिन विपक्ष के पास केवल ''गुस्सा और गालियां'' हैं, समाधान नहीं है। 'रिपब्लिक टीवी' द्वारा आयोजित एक कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए, मोदी ने उनकी सरकार द्वारा अब तक किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि पिछले 75 दिनों में, उन्होंने नौ लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया या इन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मेरे पास अगले 25 वर्षों के लिए देश के विकास का खाका है। लेकिन दूसरी तरफ (विपक्ष) के पास केवल गुस्सा, गालियां और निराशा है। उनके (विपक्षी दलों) पास न तो उठाने के लिए कोई मुद्दा है और न ही पेश करने के लिए कोई समाधान है।''

### मोदी की गारंटी से मुकाबला करने के लिए

## कांग्रेस ने पांच गारंटियों की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ तीस लाख लोगों को नौकरी, पहली बार में ही स्थाई नौकरी, पेपर लीक के खिलाफ नया कानून लाने सहित पांच गारंटियों की घोषणा

**बांसवाड़ा /एजेन्सी।** कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों का मुकाबला करने के लिए देश में तीस लाख लोगों को नौकरी देने, पहली बार में ही स्थाई नौकरी, पेपर लीक के खिलाफ नया कानून लाने सहित पांच गारंटियों की घोषणा की है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान बांसवाड़ा में आयोजित जनसभा में ये घोषणाएं कीं। श्री राहुल गांधी ने कहा कि देश में 30 लाख सरकारी रिक्त पद हैं लेकिन मोदी सरकार भर नहीं रही है लेकिन अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो सबसे पहला कदम तीस लाख लोगों को नौकरी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि इसी तरह सब युवाओं को अप्रेंटिसशिप का अधिकार दिया जायेगा और इसके तहत प्रत्येक कॉलेज ग्रेजुएट या डिप्लोमाधारी को पहली नौकरी पक्की होगी। प्रशिक्षुओं को एक लाख रुपये भी मिलेंगे।

उन्होंने तीसरी गारंटी का ऐलान करते हुए कहा कि पेपरलीक के खिलाफ नया कानून लाया जायेगा और इसके तहत परीक्षा दिलावाने का तरीका बदला जायेगा और परीक्षाएं सरकारी संस्था ही करेगी और पेपरलीक हो गया तो ऐसी सख्त कानूनी कार्रवाई होगी ताकि दूसरी बार पेपर लीक नहीं होगा।

### सिंधू बनीं '2024 अर्थ आवर इंडिया' सद्भावना दूत

**नई दिल्ली/भाषा।** दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को इस साल के 'अर्थ आवर इंडिया' के लिए सद्भावना दूत बनाया गया है।

यह 18 साल पुराना आंदोलन है जो पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। इस साल 23 मार्च को 'पृथ्वी दिवस' मनाया जाएगा। सिंधू ने एक बयान में कहा, मैं अधिक सतत जीवनशैली की ओर कदम बढ़ाते हुए और प्रकृति के साथ अधिक समय बिताते हुए डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के अर्थ आवर में शामिल हो रही हूं।

## आईएनएस कोलकाता ने अदन की खाड़ी में मिसाइल हमले का शिकार हुए जहाज के चालक दल को बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय युद्धपोत 'आईएनएस कोलकाता' ने अदन की खाड़ी में बारबाडोस के ध्वज वाले मालवाहक जहाज पर मिसाइल हमले के बाद उस जहाज से एक भारतीय नागरिक सहित चालक दल के 21 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है। नौसेना के एक प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

मिसाइल हमले के कारण बुधवार को वाणिज्यिक जहाज 'एमवी ट्रू कॉन्फिडेंस' में आग लग गई थी, जिसकी वजह से चालक दल के सदस्यों को जहाज छोड़कर भागना पड़ा था।

नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि अदन की खाड़ी में समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए तैनात आईएनएस कोलकाता शाम चार बजकर 45 मिनट पर घटनास्थल पर पहुंचा और इसने अपने हेलीकॉप्टर और नौकाओं का इस्तेमाल कर एक भारतीय नागरिक सहित चालक दल के 21 सदस्यों को बचा लिया। उन्होंने बताया कि युद्धपोत के चिकित्सा दल ने घायल चालक दल को महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता प्रदान की।

प्रवक्ता ने बताया कि गंभीर रूप से घायल कर्मियों सहित बचाए गए दल को आईएनएस कोलकाता द्वारा जिबूती ले जाया गया है। मधवाल ने बताया कि भारतीय नौसेना के युद्धपोत ने अदन की खाड़ी में समुद्री घटना पर त्वरित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि बारबाडोस के झंडे वाले मालवाहक जहाज पर अदन से लगभग 55 समुद्री मील दक्षिण पश्चिम में कथित तौर पर एक मिसाइल से हमला किया गया, जिसके परिणामस्वरूप जहाज पर आग लग गई।

# बिजली क्षेत्र में अगले 5-7 साल में 17 लाख करोड़ रुपए का निवेश आने की उम्मीद : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने कहा कि हमने लगभग तीन हजार नए सबस्टेशन बनाने, लगभग चार हजार सबस्टेशनों को उन्नत करने, 8.5 लाख सर्किट किलोमीटर एचटी (हाई टेंशन) और एलटी (लो टेंशन) लाइनें और 7.5 लाख ट्रांसफार्मर जोड़ने में लगभग दो करोड़ रुपए किए हैं खर्च**

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय मंत्री आर के सिंह ने कहा है कि घरेलू बिजली उद्योग में अगले 5-7 वर्षों में 17 लाख करोड़ रुपए का निवेश आने की उम्मीद है। बिजली मंत्रालय ने एक बयान में बिजली, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री के हवाले से कहा गया है कि इस क्षेत्र में पिछले नौ साल में 20 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है।

सिंह ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मेरे कार्यकाल के दौरान, हमने लगभग 3,000 नए सबस्टेशन बनाने, लगभग 4,000 सबस्टेशनों को उन्नत करने, 8.5 लाख सर्किट किलोमीटर एचटी (हाई टेंशन) और एलटी (लो टेंशन) लाइनें और 7.5 लाख ट्रांसफार्मर जोड़ने में लगभग दो लाख करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

क्षमता वृद्धि पर, उन्होंने कहा कि देश ने 190 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता जोड़ी, जो इस अवधि के दौरान बढ़कर लगभग 436 गीगावाट हो गई।

उन्होंने कहा कि भारत ने पारेषण लाइनों में 2,00,000 सर्किट किलोमीटर जोड़े और हमारी पारेषण प्रणाली दुनिया में सबसे बड़ी एकीकृत पारेषण प्रणाली है। यह देश के एक कोने से दूसरे कोने में 116 गीगावाट बिजली का हस्तांतरण कर सकती है।

सिंह ने कहा, हम 4,000 मेगावाट भंडारण क्षमता के लिए बोलियां लाने जा रहे हैं और हमारी विभिन्न चरणों में 50 गीगावाट की पंप भंडारण परियोजनाएं भी शुरू हो चुकी हैं।

मंत्री ने यह भी कहा कि भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने की गति दुनिया में सबसे ज्यादा है। देश की गैर-जीवाश्म क्षमता लगभग 186 गीगावाट है, जिसमें से सात गीगावॉट परमाणु है और शेष सौर, पवन और जलविद्युत है। उन्होंने कहा कि मॉड्यूल निर्माण क्षमता 20 गीगावाट से बढ़कर 50 गीगावाट और सेल विनिर्माण क्षमता दो गीगावाट से बढ़कर लगभग 12-13 गीगावाट हो गई है।

## सीबीआई ने यूको बैंक आईएमपीएस घोटाले में राजस्थान, महाराष्ट्र में 67 स्थानों पर तलाशी ली

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने यूको बैंक में 820 करोड़ रुपए के आईएमपीएस घोटाले के संबंध में राजस्थान और महाराष्ट्र के सात शहरों में 67 स्थानों पर तलाशी ली है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह मामला 8,53,049 से अधिक आईएमपीएस (तत्काल भुगतान प्रणाली) लेन-देन से संबंधित है जो पिछले साल 10 नवंबर से 13 नवंबर के बीच बैंक में हुए थे।

सीबीआई प्रवक्ता ने कहा, सात निजी बैंकों के लगभग 14,600 खाताधारकों से शुरू किए गए आईएमपीएस आवक लेन-देन को यूको बैंक के 41,000 से अधिक खाताधारकों के खातों में गलत तरीके से पोस्ट किया गया था। इसके परिणामस्वरूप 820 करोड़ रुपए मूल बैंकों से वास्तविक डेबिट किए बिना यूको बैंक खातों में जमा किए गए थे। अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को राजस्थान और महाराष्ट्र में तलाशी उन लोगों पर केंद्रित थी, जिन्होंने पैसे प्राप्त किए और बैंक को वापस करने के बजाय इसे निकाल लिया। यह तलाशी का दूसरा दौर है।

प्रवक्ता ने कहा, इससे पहले दिसंबर 2023 में कोलकाता और मेंगलुरु में निजी व्यक्तियों और यूको बैंक के अधिकारियों से जुड़े 13 स्थानों पर तलाशी ली गई थी। जोधपुर, जयपुर, जालौर, नागौर, बाड़मेर, फलोदी (राजस्थान) और पुणे (महाराष्ट्र) सहित कई शहरों में कार्रवाई में 40 टीम में राजस्थान पुलिस के 120 पुलिसकर्मी समेत सहित 330 से अधिक पुलिसकर्मी और 80 स्वतंत्र गवाह शामिल थे। उन्होंने बताया, इन अभियानों के दौरान, यूको बैंक और आईडीएफसी से संबंधित लगभग 130 आपत्तिजनक दस्तावेज के साथ-साथ 43 डिजिटल डिवाइस (40 मोबाइल फोन, दो हार्ड डिस्क और एक इंटरनेट डोंगल सहित) को फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए जब्त कर लिया गया। प्रवक्ता ने कहा, इसके अतिरिक्त, 30 संदिग्धों से भी पूछताछ की गई।

## तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्यपाल कोटे के तहत दो एमएलसी का नामांकन रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार को करारा झटका देते हुए बृहस्पतिवार को राज्यपाल कोटे के तहत तेलंगाना राज्य विधान परिषद के सदस्यों के रूप में एम कोदंडराम और आमेर अली खान के नामांकन को रद्द कर दिया। उच्च न्यायालय ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेताओं श्रवण दासोजू और के सत्यनारायण के नामांकन को खारिज करने संबंधी राज्यपाल के 19 सितंबर, 2023 के आदेश को भी रद्द कर दिया। दासोजू और सत्यनारायण का राज्यपाल कोटे के तहत विधान परिषद में नामांकन बीआरएस के पिछले शासन के दौरान तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने खारिज कर दिया था। राज्यपाल द्वारा विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के रूप में उनके नामांकन को खारिज करने के आदेश को चुनौती देते हुए श्रवण दासोजू और सत्यनारायण ने पहले उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की थी। जनवरी में तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने राज्यपाल कोटे के तहत कोदंडराम और आमेर अली खान को एमएलसी के रूप में नामित किया था।

## भाजपा में शामिल हुईं केरल के पूर्व मुख्यमंत्री के करूणाकरण की बेटी पद्मजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस के दिग्गज दिवंगत नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री के. करूणाकरन की बेटी पद्मजा वेणुगोपाल बृहस्पतिवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। पद्मजा के भाई के. मुरलीधरन वडकरा से कांग्रेस के सांसद हैं। इससे पहले, केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ए के एंटनी के बेटे अनिल एंटनी भाजपा में शामिल हो गए थे। अनिल को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए केरल की पत्तनमतिट्टा सीट से उम्मीदवार बनाया है। वह भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी हैं।

## इस्तीफे का आधार पूरी तरह से व्यक्तिगत, लेकिन स्वीकार नहीं किया गया : राज्यपाल पुरोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

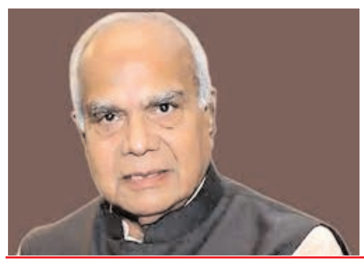

**पंजाब के राज्यपाल पुरोहित ने निजी कारणों का हवाला देते हुए पिछले महीने राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू को सौंप दिया था त्यागपत्र**

**चंडीगढ़/भाषा।** पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले महीने उनके इस्तीफे का आधार पूरी तरह से व्यक्तिगत था। हालांकि इसके साथ ही पुरोहित ने कहा कि उन्हें अपने पद पर बने रहने और कार्य करते रहने के लिए कहा गया है।

मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत में, पुरोहित ने केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) चंडीगढ़ प्रशासक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान की गई विभिन्न पहलों के बारे में भी बात की। इस्तीफे के कारणों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैंने ये (इस्तीफा) भेज दिया है, लेकिन वे (मुझे) नहीं छोड़ रहे हैं और मुझसे कह रहे हैं (कि) रुको और काम करो। उन्होंने बताया, उन्होंने कहा कि इस्तीफा स्वीकार नहीं करेंगे।

पुरोहित ने बताया कि अपने इस्तीफे में उन्होंने जो कारण दिया था वह पूरी तरह से पारिवारिक, व्यक्तिगत के अलावा और कुछ नहीं था। उन्होंने बताया, मेरी पत्नी नागपुर से यहां आयी, लेकिन दस दिन बाद वापस चली गई। मेरे परिवार को वहां मेरी कमी खल रही है......मैं भारतीय विद्या भवन का अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष हूं और मैंने नागपुर केंद्र की शुरुआत 1984 में की थी।

पुरोहित ने निजी कारणों का हवाला देते हुए पिछले महीने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना त्यागपत्र सौंप दिया था।

पुरोहित ने अपने त्याग पत्र में लिखा, अपने व्यक्तिगत कारणों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं के कारण, मैं पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश, चंडीगढ़ के प्रशासक के पद से अपना इस्तीफा दे रहा हूं। कृपया इसे स्वीकार करें और उपकृत करें। पुरोहित को अगस्त 2021 में पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ प्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया था। इससे पहले वह 2016 से 2017 तक असम और 2017 से 2021 तक तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

## स्पाइसजेट ने एशलॉन के साथ 413 करोड़ रुपए का विवाद निपटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** मुश्किलों से उबरने की कोशिश में लगी स्पाइसजेट ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी एशलॉन आयरलैंड मैडिसन वन लिमिटेड के साथ 413 करोड़ रुपए का विवाद सुलझा लिया है।

यह पिछले दो हफ्ते में इस तरह का तीसरा विवाद है जिसका स्पाइसजेट ने निपटारा किया है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि एशलॉन के साथ कानूनी विवाद का निपटान होने से 4.8 करोड़ डॉलर (करीब 398 करोड़ रुपए) की बचत होगी। इस विवाद निपटान के तहत स्पाइसजेट दो एयरक्रेम का अधिग्रहण करेगी। आम तौर पर एयरक्रेम बिना इंजन वाला विमान होता है। कई बाधाओं का सामना कर रही और धन जुटाने की प्रक्रिया में लगी एयरलाइन तीन विवादों का निपटान कर कुल तीन एयरफ्रेम हासिल कर रही है। ये एयरफ्रेम बोइंग 737 एनजी विमानों के हैं। स्पाइसजेट ने कहा कि इन सफल निपटानों से एयरलाइन को कुल 685 करोड़ रुपए की बचत हुई है। इसके पहले स्पाइसजेट ने पांच मार्च को लगभग 1.12 करोड़ डॉलर (93 करोड़ रुपए) के विवाद के संबंध में क्रॉस ओशन पार्टनर्स के साथ समझौता किया था। उससे पहले 28 फरवरी को स्पाइसजेट ने सेलेस्टियल एविएशन के साथ 2.99 करोड़ डॉलर (250 करोड़ रुपए) का विवाद सुलझाया था।

## सरकार सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी में आदिवासी छात्रों को प्रशिक्षण देगी

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्र बेंगलूरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान के सहयोग से आदिवासी छात्रों को सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण देगा। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ मिलकर दूरदराज के आदिवासी गांवों में मोबाइल और इंटरनेट संपर्क को बेहतर बनाने के लिए उपग्रह-आधारित तकनीक का उपयोग करने की भी योजना बना रहा है। अधिकारियों ने कहा कि सरकार ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) शुरू किया है। इसको देखते हुए आने वाले वर्षों में सेमीकंडक्टर उद्योग में नौकरियों की काफी संभावनाएं हैं।

सेमीकंडक्टर मिशन डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के भीतर एक विशेष और स्वतंत्र व्यापार इकाई है। इसका उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण और डिजाइन के क्षेत्र वैश्विक केंद्र के रूप में भारत को तैयार करने के लिए एक सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले परिवेश का निर्माण करना है। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के साथ साझेदारी में, एक प्रशिक्षण फैब इकाई स्थापित करेगा। यह आदिवासी छात्रों को सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी पर एक पाठ्यक्रम प्रदान करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों के लिए उद्योग में उच्च-भुगतान वाली नौकरी का अवसर देगा। भारतीय विज्ञान संस्थान के निदेशक जी रंगराजन ने कहा कि देश सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहता है और संस्थान आदिवासी छात्रों को यथासंभव बेहतर प्रशिक्षण प्रदान करेगा। जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने यहां एक कार्यक्रम में पहल की शुरुआत करते हुए कहा कि मंत्रालय उन्हें पीएम-जनमन योजना से जोड़ना चाहता है।

## मूडीज ने 2023-24 के लिए आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर आठ प्रतिशत किया

**नई दिल्ली/भाषा।** मूडीज रेटिंग्स ने पूंजीगत व्यय और घरेलू खपत में तेजी को देखते हुए वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर करीब आठ प्रतिशत कर दिया।

यह अनुमान आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास के बयान के एक दिन बाद आया है। बयान में उन्होंने कहा था कि तीसरी तिमाही के आधिकारिक जीडीपी आंकड़ों को देखते हुए चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि आठ प्रतिशत के करीब हो सकती है। मूडीज का ताजा अनुमान नवंबर 2023 में जताए गए 6.6% के अनुमान से 1.40% अधिक है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 8.4% वृद्धि का अनुमान लगाया है। इसने पहली और दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी अनुमान को भी संशोधित कर क्रमशः 8.2% और 8.1 प्रतिशत कर दिया है। जबकि पहले इसके 7.8 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत रहने की बात कही गई थी।

मूडीज ने एक रिपोर्ट में कहा, हम उम्मीद करते हैं कि भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था होगा। इसकी वास्तविक जीडीपी वृद्धि मार्च, 2024 में समाप्त हो रहे वित्त वर्ष में आठ प्रतिशत के आसपास रहेगी जो वित्त वर्ष 2022-23 में 7% थी। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी पूंजीगत व्यय के साथ मजबूत घरेलू खपत भारत की आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करेगी। इसके साथ ही, चीन के अलावा दूसरी जगह ठिकाना बनाने वाली कंपनियों की रणनीतियों से उत्पन्न वैश्विक व्यापार और निवेश के अवसरों से भारत लाभ उठाने के तैयार है।

## एयर इंडिया की लंदन की उड़ान से रेलिगेयर की अध्यक्ष रश्मि सलूजा को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतारा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** लंदन जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान की 'बिजनेस श्रेणी' में यात्रा कर रही रेलिगेयर इंटरप्राइजेज की अध्यक्ष रश्मि सलूजा को चालक दल के सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में पांच मार्च को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतार दिया गया था। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यह घटना उड़ान संख्या एआई 161 पर उड़ान भरने के लिए निर्धारित पुशबैक से पहले हुई और उड़ान के कप्तान की सलाह के बाद सलूजा को विमान से उतार दिया गया।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि बिजनेस क्लास में यात्रा कर रही एक यात्री को निर्धारित पुशबैक से पहले चालक दल के सदस्यों के साथ कुछ बहस के बाद कैप्टन की सलाह पर विमान से उतार दिया गया। हालांकि एयर इंडिया ने घटना में शामिल यात्री का नाम नहीं बताया, लेकिन एक जानकार सूत्र ने बताया कि यह यात्री रश्मि सलूजा थीं। एक अन्य सूत्र ने कहा कि यात्री ने चालक दल के सदस्यों के साथ अभद्र व्यवहार किया। रश्मि सलूजा से जुड़ी घटना पर टिप्पणी मांगने के लिए रेलिगेयर इंटरप्राइजेज को कुछ सवाल भेजे गए, लेकिन उसका उत्तर तत्काल नहीं मिला है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, विमान से (यात्री को) उतारने के बाद, उड़ान संख्या एआई 161 लगभग एक घंटे की देरी के बाद रवाना हुई। जिस यात्री को उतारा गया वह कुछ अनिवार्य कारणों से यात्रा कर रही थी और लिखित आश्वासन के बाद अगली उड़ान से उन्हें गंतव्य के लिए रवाना किया गया। रेलिगेयर इंटरप्राइजेज और डाबर समूह के प्रवर्तकों के बीच रेलिगेयर इंटरप्राइजेज में नियंत्रण हिस्सेदारी को लेकर कॉरपोरेट विवाद है। डाबर समूह के प्रवर्तकों ने रश्मि सलूजा और रेलिगेयर इंटरप्राइजेज के खिलाफ कॉरपोरेट प्रशासन में खामियों के कुछ आरोप भी लगाए हैं। दोनों ने इन आरोपों का दोनों ने खंडन किया है। विमानन नियामक डीजीसीए की जानकारी के अनुसार, जनवरी में एयर इंडिया द्वारा 894 यात्रियों को उड़ान भरने से वंचित रखा गया और एयरलाइन द्वारा सुविधा/मुआवजे पर लगभग 98 लाख रुपए खर्च किए गए।

## सरकार ने फेम योजना के दूसरे चरण की समयसीमा बढ़ाए जाने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की प्रमुख योजना फेम के दूसरे चरण को 31 मार्च से आगे नहीं बढ़ाया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

भारी उद्योग मंत्रालय ने फेम दो योजना की समयावधि बढ़ाए जाने को लेकर मीडिया रिपोर्ट में किए गए दावे का खंडन किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि केंद्र ने 500 करोड़ रुपए के व्यय के साथ योजना को 31 जुलाई तक अस्थायी रूप से चार महीने के लिए बढ़ा दिया है। भारी उद्योग मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि फेम योजना के दूसरे चरण के तहत सब्सिडी 31 मार्च, 2024 तक या धन उपलब्ध होने तक बेचे जाने वाले ई-वाहनों के लिए मिलेगी। उसने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता और विनिर्माण में तेजी (फेम-दो) कार्यक्रम के लिए व्यय 10,000 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 11,500 करोड़ रुपए कर दिया गया है। मंत्रालय ने बयान में कहा था कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने के लिए सरकार फेम योजना का दूसरा चरण... फेम दो... कोष और अवधि के लिहाज से सीमित समय के लिए है।

संशोधित व्यय के अनुसार इलेक्ट्रिक दोपहिया, इलेक्ट्रिक तिपहिया और इलेक्ट्रिक चारपहिया वाहन 7,048 करोड़ रुपए की सब्सिडी का लाभ उठाने के पात्र हैं। इसके अलावा, पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए अनुदान के रूप में 4,048 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं जबकि 400 करोड़ रुपए 'अन्य' श्रेणी के अंतर्गत रखे गए हैं।

## राष्ट्रीय दलों के 82.42 प्रतिशत 'अज्ञात आय का संबंध चुनावी बॉण्ड से' : एडीआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रीय दलों की 2022-23 के दौरान अज्ञात स्रोत से हुई आय में से 82 प्रतिशत का संबंध चुनावी बॉण्ड से है। यह खुलासा चुनाव अधिकार निकाय ने किया है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय दलों द्वारा निर्वाचन आयोग में जमा ऑडिट रिपोर्ट और दान संबंधी जानकारी का विश्लेषण करने पर खुलासा हुआ कि बड़े पैमाने पर उनका स्रोत अज्ञात रहा।

एडीआर ने कहा कि वित्तवर्ष 2022-23 के लिए दाखिल वित्तीय रिपोर्ट का विश्लेषण करने पर खुलासा हुआ कि अज्ञात स्रोत से हुई कुल 1,832.88 करोड़ रुपए की आय में से 1510 करोड़ रुपए चुनावी बॉण्ड से प्राप्त हुए, जो कुल अज्ञात स्रोत से प्राप्त राशि का 82.42 प्रतिशत है।

इस अध्ययन के लिए छह दलों की आय पर विचार किया गया जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा), आम आदमी पार्टी (आप) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) शामिल है।

एडीआर के मुताबिक भाजपा ने सबसे अधिक अज्ञात स्रोत से आय की जानकारी दी। पार्टी को 1400 करोड़ रुपए मिले जो कुल अज्ञात चंदे का 76.39 प्रतिशत है। कांग्रेस ने अज्ञात स्रोत से 315.11 करोड़ रुपए (17.19 प्रतिशत)मिलने की जानकारी दी है। विश्लेषण के मुताबिक बसपा ने घोषणा की कि उसे कोई चंदा नहीं मिला है फिर चाहे 20 हजार रुपए से कम या अधिक का चंदा हो, कूपन की बिक्री या चुनावी बॉण्ड से मिला चंदा हो या अज्ञात स्रोत से मिला चंदा हो। एनजीओ ने रेखांकित किया कि चुनावी बॉण्ड को लेकर राष्ट्रीय दलों पर ही ध्यान केंद्रित किया जाता है लेकिन राज्य स्तर के दलों को भी चुनावी बॉण्ड से काफी राशि मिली।

एडीआर के मुताबिक 2004-05 से 2022-23 के बीच राष्ट्रीय दलों को अज्ञात स्रोत से 19,083 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। एडीआर ने 2022-23 के नवीनतम विश्लेषण के आधार पर दावा किया है कि अज्ञात स्रोतों में सबसे अधिक योगदान चुनावी बॉण्ड का था और 'अज्ञात स्रोत से प्राप्त कुल राशि में से 82.42 प्रतिशत राशि चुनावी बॉण्ड से मिली है। इसने कहा कि आगे के विश्लेषण से खुलासा हुआ है कि अज्ञात स्रोत से प्राप्त आय में 1,510 करोड़ रुपए चुनावी बॉण्ड से मिले। एडीआर ने बताया कि इसके अलावा कांग्रेस और माकपा ने घोषणा की है कि उन्हें कूपन की बिक्री से कुल 136.79 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं जो अज्ञात स्रोत से आय में 7.46 प्रतिशत का योगदान करते हैं।

बसपा को ज्ञात स्रोत से 29.27 करोड़ रुपए प्राप्त हुए जिनमें बैंक से ब्याज के रूप में 15.05 करोड़, सदस्यता शुल्क के रूप में 13.73 करोड़ रुपए शामिल हैं। एडीआर के मुताबिक वित्तवर्ष 2022-23 में छह राष्ट्रीय दलों को कुल 3,076.88 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। 20 हजार रुपए से कम दान की हिस्सेदारी आय के अज्ञात स्रोत में 10 प्रतिशत रही और यह राशि 183.28करोड़ रुपए है। मौजूदा नियमों के मुताबिक 20 हजार रुपए से कम दान देने पर दलों को दानकर्ताओं की जानकारी साझा करने की जरूरत नहीं होती है।

## पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल समर्थित आतंकी मॉड्यूल के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया

**चंडीगढ़/भाषा।** पुलिस ने जानकारी दी कि उन्होंने एक खुफिया सूचना आधारित अभियान में बब्बर खालसा इंटरनेशनल के समर्थन प्राप्त आतंकी मॉड्यूल के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है और किसी लक्षित हत्या के षड्यंत्र को विफल कर दिया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने 'एक्स' पर की गई एक पोस्ट में बताया कि इस आतंकी मॉड्यूल का संचालन अमेरिका में बैठा हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासियान करता था। वह पाक में बैठे आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा का करीबी सहयोगी है। इसके अलावा शमशेर सिंह उर्फ शेरा भी उसका सहयोगी है जो फिलहाल आर्मीनिया में है। यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हैप्पी पासियान रिंदा और शमशेर के साथ मिलकर राज्य में युवाओं को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उकसाते थे और उन्हें कट्टरपंथी बनाते थे।

## धनशोधन मामला : सपा विधायक इरफान सोलंकी के कानपुर स्थित परिसरों पर ईडी के छापे

**कानपुर/लखनऊ/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन संबंधी एक मामले की जांच के तहत उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक इरफान सोलंकी और उनके परिवार के सदस्यों के कानपुर स्थित परिसरों पर बृहस्पतिवार को छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सोलंकी (44) फिलहाल महाराजगंज जेल में हैं। वह सीसामऊ विधानसभा सीट का चौथी बार प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि लखनऊ जोनल कार्यालय से प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने डिफेंस कॉलोनी जाजमऊ स्थित सोलंकी के आवास समेत उनके करीब पांच परिसरों पर छापे मारे। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने सोलंकी के जेल में बंद भाई रिजवान की संपत्ति पर भी छापे मारे। उन्होंने बताया कि शौकत अली, बिल्डर हाजी वसी और पार्टी नेता नूरी शौकत के अलावा कुछ अन्य लोगों के कानपुर स्थित परिसरों और महाराष्ट्र के मुंबई में एक परिसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों द्वारा मुहैया सुरक्षा के बीच तड़के छापेमारी की गई। एजेंसी के अधिकारियों ने कुछ दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं।

### तमिलनाडु में वेदांता संयंत्र बंद होने के कारणों पर उच्चतम न्यायालय ने कहा:

# लोगों को स्वच्छ हवा, पेयजल का अधिकार

**यह एक निर्विवाद और मौलिक सत्य है कि सभी व्यक्तियों को स्वच्छ हवा में सांस लेने, स्वच्छ पानी पीने, रोग और बीमारी से मुक्त जीवन जीने का अधिकार है। साथ ही जो लोग जमीन जोतते हैं उन्हें भी प्रदूषण-रहित मिट्टी तक पहुंच का अधिकार है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/चेन्नई/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने सतत विकास के सिद्धांत को बरकरार रखते हुए और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर सख्ती बरतते हुए कहा कि लोगों को स्वच्छ हवा में सांस लेने, साफ पानी पीने और बीमारियों से मुक्त जीवन जीने का अधिकार है।

प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने तमिलनाडु के तूतिकोरिन में वेदांता समूह की कंपनी स्टरलाइट कॉपर को बंद किये जाने के बारे में एक तर्कसंगत आदेश में कहा कि उद्योग को बंद करना पहली प्राथमिकता का मामला नहीं है, बल्कि संयंत्र द्वारा पर्यावरणीय मानदंडों के उल्लंघन की प्रकृति और बार-बार ऐसा किये जाने के कारण न तो वैधानिक अधिकारियों और न ही मद्रास उच्च न्यायालय के पास कोई अन्य रास्ता बचा। पीठ ने प्रदूषण संबंधी चिंताओं के कारण मई 2018 से बंद इस संयंत्र को मुकम्मल तौर पर ताला लगाने के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ वेदांता लि. की अपील 29 फरवरी को खारिज कर दी थी।

शीर्ष अदालत ने कहा, यह एक निर्विवाद और मौलिक सत्य है कि सभी व्यक्तियों को स्वच्छ हवा में सांस लेने, स्वच्छ पानी पीने, रोग और बीमारी से मुक्त जीवन जीने का अधिकार है। साथ ही जो लोग जमीन जोतते हैं उन्हें भी प्रदूषण-रहित मिट्टी तक पहुंच का अधिकार है।'' इसमें कहा गया है कि इन अधिकारों को न केवल मानव अधिकारों के आवश्यक घटकों के रूप में मान्यता दी गई है, बल्कि मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा, जैविक विविधता पर संधि और पेरिस समझौता जैसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संधियों में भी यह निहित हैं।शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस तथ्य से अवगत है कि यह संयंत्र राष्ट्र की उत्पादक संपत्तियों में योगदान दे रहा है और क्षेत्र में रोजगार और राजस्व भी प्रदान कर रहा है। पीठ ने कहा, ''हालांकि इन पहलुओं की निस्संदेह प्रासंगिकता है, लेकिन न्यायालय को सतत विकास के सिद्धांतों, 'प्रदूषक भुगतान' के सिद्धांत और जनविश्वास के सिद्धांत सहित विभिन्न स्थापित सिद्धांतों के प्रति सचेत रहना होगा। 'प्रदूषक भुगतान सिद्धांत' अंतरराष्ट्रीय और घरेलू पर्यावरण कानून में व्यापक रूप से स्वीकृत मानदंड है, जो यह कहता है कि जो लोग पर्यावरण को प्रदूषित या खराब करते हैं उन्हें प्रदूषण कम करने और उसे पूर्व रूप में लाने में आने वाली लागत वहन करनी चाहिए। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर बुधवार को अपलोड किये गये फैसले में कहा गया है कि प्रदूषक भुगतान सिद्धांत का यह तकाजा है कि आर्थिक गतिविधियां पर्यावरणीय गिरावट या आबादी के स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। पीठ ने अपील खारिज करते हुए कहा कि भारत सहित विभिन्न देशों के न्यायालयों में मान्यता प्राप्त जनविश्वास का सिद्धांत यह कहता है कि सरकार प्राकृतिक संसाधनों को जनता के लाभ के लिए अपने पास रखती है। इसमें कहा है कि पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट का प्रभाव दूरगामी होता। इसने कहा कि यह (प्रभाव) अक्सर न केवल गंभीर होता है बल्कि लंबे समय तक बना रहता है। यह संयंत्र मई 2018 से बंद है, क्योंकि इसके कारण होने वाले कथित प्रदूषण को लेकर विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए 22 मई 2018 को पुलिस की गोलीबारी में 13 लोगों की मौत हो गई थी।

**आभार**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में गुरुवार को ईसाई पुजारी और चर्च कर्मचारी कल्याण बोर्ड के नव नियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पदेन सदस्यों ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की। सभी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

# 'हर परिवार के उत्थान के लिए पारिवारिक शासन चलाती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पर वंशवाद की राजनीति करने का आरोप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बार-बार की टिप्पणी के मुद्दे पर पलटवार करते हुए द्रमुक अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने जोर देकर कहा कि यह वास्तव में उस एक परिवार का शासन है जो प्रदेश के प्रत्येक परिवार का उत्थान करता है।

स्टालिन ने कुछ दिन पहले शहर में भारतीय जनता पार्टी की एक सार्वजनिक बैठक के दौरान श्री मोदी की उस टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र की ओर से सीधे लोगों के खातों में धनराशि दी जाती है। स्टालिन ने इसे सरासर झूठ बताया और कहा कि राज्य सरकार ने बाढ़ राहत के लिए 37,000 करोड़ रुपये की मांग की थी लेकिन केंद्र ने एक रुपया भी आवंटित नहीं किया है। उन्होंने कहा,मुझे आपको यह समझाने की जरूरत नहीं है कि तमिलनाडु को मिलने वाली धनराशि धीरे-धीरे कम कर दी गई है। प्रधानमंत्री ने दावा किया था कि धनराशि राज्य सरकार को देने के बजाय सीधे लोगों को दी जा रही है। श्री मोदी के इस दावे पर पलटवार करते हुए श्री स्टालिन ने कहा,अगर उन्होंने बताया होता कि धन किसे प्राप्त हुआ तो हम पूछताछ कर सकते थे कि उन्हें धन मिला या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ जिलों के लोग प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित हैं और राज्य सरकार ने केंद्र से 37,000 करोड़ रुपये की मांग की है। उन्होंने पूछा,क्या प्रधानमंत्री ने एक रुपया भी आवंटित किया है? वह झूठ कैसे बोल सकते हैं? उन्होंने कहा कि केंद्र ने राहत और बहाली कार्यों के लिए राज्य द्वारा मांगी गई कोई धनराशि आवंटित नहीं की है लेकिन द्रमुक सरकार ने लोगों को राहत प्रदान करने के लिए तमिलनाडु के आपदा प्रतिक्रिया कोष और सरकारी विभागों से 3,406.7 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

स्टालिन ने कहा, मुथुवेल करुणानिधि स्टालिन की सरकार लोगों के हितों की रक्षा करती है। तुम्हारा कल्याण ही मेरा कल्याण है। द्रविड़ मॉडल सरकार का कल्याण और मां तमिलनाडु का कल्याण करता है। मैं आपके कल्याण की रक्षा के लिए काम करता हूं। यह सरकार आप सभी के लिए काम करती रहेगी।

# डॉ. कल्पना शंकर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** हैंड इन हैंड इंडिया की सह संस्थापक तथा बेल स्टार माइक्रो फाइनेंस प्रा. लि. की प्रबंध निदेशक डॉक्टर कल्पना शंकर को हाल ही में वित्तीय समावेशन में प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है

। यह सम्मान उत्तर तथा दक्षिण भारत के ग्रामीण इलाकों में रहने वाली महिलाओं के जीवन में सामाजिक आर्थिक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है। डॉ कल्पना शंकर ने अपने संगठन के माध्यम से अब तक चार लाख से अधिक महिलाओं को डिजिटल साक्षरता में प्रशिक्षित किया है और आठ लाख से अधिक नौकरियों का सृजन किया है जिससे ग्रामीण महिलाएं संगठित क्षेत्र में जगह बनाने में सशक्त हुई है। हैंड इन हैंड इंडिया संस्थान डॉ. कल्पना शंकर के नेतृत्व में ग्रामीण इलाकों की गरीब महिलाओं के लिए स्थाई आजीविका के लिए अपने अद्वितीय रोजगार सृजन मॉडल के साथ गरीबी की वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर डॉ. कल्पना शंकर ने कहा कि वित्तीय समावेशन में योगदान के लिए यह पुरस्कार पाकर गौरवान्वित हूं। मैंने इस क्षेत्र में तीन दशक पूरे किए हैं। सबसे महत्वपूर्ण है यह है कि महिलाओं द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिया किया गया कार्य, जिसे अब मान्यता मिली है इससे एक श्रृंखलाबद्ध प्रक्रिया शुरू होती है और यह उन महिलाओं के लिए प्रमाण है। जिनकी हम अपने संस्थान के माध्यम से सेवा करते हैं क्योंकि वे सामाजिक आर्थिक रूप से आगे बढ़ने के लिए बाधाओं को तोड़ती है।

# पद्मजा के भाजपा में शामिल होने से पार्टी को रत्ती भर भी फायदा नही होगा : मुरलीधरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोझीकोड।** कांग्रेस के दिग्गज दिवंगत नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरन की बेटी पद्मजा वेणुगोपाल के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की अटकलों के बीच उनके भाई और कांग्रेस सांसद के. मुरलीधरन ने बृहस्पतिवार को कहा कि पद्मजा का फैसला विश्वासघात है और इससे भाजपा को रत्ती भर भी फायदा नहीं होगा।

मुरलीधरन ने कहा कि करुणाकरन ने कभी सांप्रदायिकता से समझौता नहीं किया और जहां तक सवाल धर्मनिरपेक्ष सोच वाले लोगों का है उनके परिवार के किसी सदस्य का भाजपा में शामिल होना एक दुखद परिणाम है। उन्होंने कहा, ''पद्मजा के शामिल होने से भारतीय जनता पार्टी को रत्ती भर फायदा होने वाला नहीं है। यह हमारी लड़ने की इच्छाशक्ति को भी प्रभावित नहीं करेगा। हम भारतीय जनता पार्टी को हर जगह तीसरे नंबर पर धकेलने की पुरजोर कोशिश करेंगे, खासकर उन सीटों पर भी जहां उन्हें (भाजपा) जीतने की उम्मीद है।''

कांग्रेस सांसद ने कहा, ''इस विश्वासघात का जवाब ईवीएम के जरिये दिया जाएगा।'' मुरलीधरन ने कहा कि पद्मजा को पार्टी ने केरल से तीन बार लोकसभा चुनाव का टिकट दिया और वह हर दफा हारीं। उन्होंने कहा, ''इसलिए यह दावा करना कि उनकी (पद्मजा की) हार के पीछे पार्टी के अन्य लोग थे, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि ऐसे कई लोग हैं, जिन्होंने मेरे साथ ऐसा करने की कोशिश की। मैंने इसके बारे में कभी शिकायत नहीं की क्योंकि यह जनता तय करती है कि किसे जीताना चाहिए और किसे नहीं।''

उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी आया था जब उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ी थी लेकिन तब भी उन्होंने भाजपा से समझौता नहीं किया और न ही उसमें शामिल हुए जबकि ऐसा करना उनके लिए बहुत आसान होता। मुरलीधरन ने कहा कि उनके पिता ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने कभी सांप्रदायिकता के साथ समझौता नहीं किया। पद्मजा के करीबी सूत्रों से उनके भाजपा में शामिल होने के संकेत मिलने के बीच मुरलीधरन का यह बयान है।

# समझौता : अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग के लिए एनसीआईएसएम और सीसीआरएस के बीच समझौता ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग (एनसीआईएसएम), नई दिल्ली के साथ एक व्यापक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू पर एनसीआईएसएम के अध्यक्ष वैद्य जयंत यशवंत देवपुजारी और प्रोफेसर डॉ. ने हस्ताक्षर किए।

एन.जे.मुथु कुमार, महानिदेशक, सीसीआरएस, डॉ. के. अध्यक्ष, चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड, एनसीआईएसएम, डॉ. बीएल मेहरा, सचिव और डॉ. एस. मथुकुमार, सदस्य, यूनानी, सिद्ध और सोवा-रिग्पा बोर्ड, एनसीआईएसएम और डॉ. एस. सेल्वाराजन, अनुसंधान अधिकारी (सिद्ध) और विज्ञान-4/डीडीओ, डॉ. यूजीन विल्सन, अनुसंधान अधिकारी, डॉ. अकिला, अनुसंधान अधिकारी (सिद्ध), सीसीआरएस से उपस्थित थे।

इस अवसर पर, एनसीआईएसएम के अध्यक्ष, वैद्य जयंत यशवंत देवपुजारी ने अपने विचार रखे और सीसीआरएस के प्रयासों की सराहना की और एमओयू के उद्देश्य को लागू करने के लिए सीसीआरएस के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

एनसीआईएसएम के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. एन.जे.मुथुकुमार ने और अन्य सम्मानित सदस्यों को धन्यवाद दिया और इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से पारस्परिक रूप से उत्पादक परिणामों की आशा की।

**पुष्पांजलि**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में अन्ना अरिवलयम में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और अन्य मंत्रियों ने पूर्व वित्त मंत्री थिरु के अंबाजगन की पुण्य तिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

# नलिनी ने श्रीलंकाई उप उच्चायोग के समक्ष पति की पेशी पर निर्देश के लिए अदालत का रुख किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/भाषा।** राजीव गांधी हत्याकांड की दोषी नलिनी श्रीहरन ने बृहस्पतिवार को मद्रास उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि उसके पति को देश छोड़ने के लिए पासपोर्ट प्राप्त करने को लेकर यहां श्रीलंकाई उप उच्चायोग के समक्ष पेश होने की अनुमति दी जाए।

नलिनी के पति श्रीहरन उर्फ मुरुगन को भी इस मामले में दोषी ठहराया गया था। श्रीलंकाई नागरिक मुरुगन को उच्चतम न्यायालय द्वारा नवंबर 2022 में मामले के सभी सात दोषियों की रिहाई के आदेश के बाद तिरुचिरापल्ली के एक विशेष शिविर में रखा गया है।

नलिनी ने अदालत से संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया क्योंकि अदालत ने पूर्व में मुरुगन को यहां वाणिज्य दूतावास कार्यालय में पेश होने की अनुमति दी थी।

प्रतिवादियों में विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफआरआरओ), चेन्नई, तमिलनाडु राज्य और तिरुचिरापल्ली जिलाधिकारी शामिल थे।

याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम एस रमेश और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की खंडपीठ ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि मामले को सुनवाई के लिए किसी अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने के वास्ते मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखा जाए।

अपनी याचिका में भारतीय नागरिक नलिनी ने कहा कि वह और मुरुगन ब्रिटेन में रहने वाली अपनी बेटी से जुड़ना चाहते हैं और वह ब्रिटेन के वीजा के लिए संबंधित अधिकारियों के सामने पेश हुई थी।

याचिका में कहा गया कि उन्होंने प्रतिवादियों से मुरुगन को वीजा साक्षात्कार में भाग लेने की अनुमति देने के लिए कई अनुरोध किए, लेकिन उत्तरदाताओं ने उन्हें अनुमति नहीं दी। मुरुगन ने बाद में अदालत का रुख किया जिसने उसे राहत देते हुए कहा कि उसे आवश्यक सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए।

# सड़क ही तांबरम का बस स्टैंड है...

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** दक्षिण चेन्नई का जंक्शन है तांबरम। जहां से महानगर के सभी उपनगरों के लिए बस सेवाएं हैं। तांबरम से तमिलनाडु के अन्य जिलों के लिए भारी संख्या में बसों की संचालन की जाती है। लेकिन तांबरम के साथ विडम्बना यह है कि यहाँ अबतक माकूल बस टर्मिनस का निर्माण नहीं हुआ है जबकि यहां से प्रतिदिन सैकड़ों बसों की आवाजाही कराई जाती है।

सबसे बड़ी परेशानी उन यात्रियों को होता है जिन्हें यह पता नहीं होता कि आखिर उसे बस कहाँ से मिलेगी। मसलन तपती धूप में यात्रियों को अपने गंतव्य के बसों को ढूंढने में जद्दोजहद करनी पड़ती है। यात्रियों का कहना होता है कि तांबरम में बसें खड़ी करने के लिए कोई जगह तय नहीं है जीएसटी रोड पर लगभग एक किलोमीटर से भी अधिक दूरी तक सड़क किनारे बसें पार्क की जाती है बकौल यात्रियों को यह समझना बेहद मुश्किल होता है कि आखिर उनके गंतव्य का बस कहां खड़ी है? लिहाजा यात्री इधर-उधर भटकते नजर आते हैं।

***लग जाता है लंबा जाम :*** गौरतलब है कि तांबरम रेलवे स्टेशन की पूर्वी भाग में फुट ओवरब्रिज से सटा हुआ एस्बेस्टर शेड को लोग बस स्टैंड के नाम से जानते हैं लेकिन यहां पर एक साथ आधे दर्जन बसें भी खड़ी नहीं की जा सकती। पहले लोगों में यह धारणा थी की तांबरम के जीएसटी रोड पर फुट ओवरब्रिज नहीं रहने के कारण जाम लगती है लेकिन यह धारणा भी मिथक साबित हो रहा है क्योंकि तांबरम रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड को जोड़ने के लिए चौमुखी फुट ओवरब्रिज बनाया गया है इस फुट ओवरब्रिज से प्रतिदिन हजारों लोग आवाजाही करते हैं, अब यहाँ ट्रैफिक सिग्नल नहीं है। यातायात व्यवस्था् को सुगम बनाने के लिए यहाँ से यातायात सिग्नल को हटा दिया गया है बावजूद इसके सड़क किनारे बसें एवं अन्य वाहनों के पार्क होने के कारण जाम लगना आम बात हो चुकी है।

यहां से प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों के मुताबिक सुबह और शाम के वक्त सड़क किनारे भारी संख्या में वाहनों की पार्क किए जाने के कारण लंबा जाम लग जाता है जिससे दैनिक यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में देर हो जाती है।

पेरंगलतूर निवासी जयरामन के अनुसार तांबरम में बस टर्मिनस नहीं होने से लोगों को अपने गंतव्य के बसों को ढूंढने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है कई बार यात्रियों को यह पता ही नहीं चलता उनके गंतव्य की बसें कहाँ खड़ी है।

इंजीनियरिंग के छात्र एस वलरमति के अनुसार तांबरम से तमिलनाडु के सभी जिले समेत चेन्नई के सभी इलाकों से जुड़ा है लेकिन बस स्टैंड के अभाव में यहां यात्रियों को बेहद कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन और तमिलनाडु सरकार को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। बहरहाल तपती धूप और बढती तापमान में आमजन परेशानी बढने लगी है और सरकार और ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन तांबरम को अनदेखी कर रही है और आमजन परेशान हो रहे हैं।

# चुनावी बॉण्ड की जानकारी सार्वजनिक हुई तो छिपा हुआ' उद्देश्य उजागर हो जाएगा : कार्ति चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**शिवगंगा(तमिलनाडु)।** कांग्रेस नेता कार्ति पी.चिदंबरम ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा चुनावी बॉण्ड के खुलासे से स्पष्ट हो जाएगा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चंदा देने वालों ने 'ऐसा छिपे हुए' उद्देश्य से किया था। उन्होंने कहा कि यह अनिवार्य है कि स्टेट बैंक पारदर्शिता सुनिश्चित करने और निष्पक्ष लोकसभा चुनाव को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले का तत्काल अनुपालन करे।

लोकसभा सदस्य कार्ति चिदंबरम ने आरोप लगाया कि चुनावी बॉण्ड से संबंधित जानकारी साझा करने के लिए उच्चतम न्यायालय से और अधिक समय की मांग करना संबधित जानकारी को सार्वजनिक करने में देरी करने का 'हथकंडा' है क्योंकि चुनाव से पहले जानकारी सार्वजनिक होने पर भाजपा के लिए असहज स्थिति उत्पन्न' होगी।

कार्ति ने 'पीटीआई-वीडियो' से बातचीत में कहा कि चुनावी बॉण्ड लोकतंत्र के प्रति तिरस्कार'था क्योंकि यह पारदर्शिता के सिद्धांतों के खिलाफ था। शीर्ष अदालत के निर्देशानुसार बॉण्ड संबंधी जानकारी एकत्र करने और खुलासा करने के लिए एसबीआई द्वारा कुछ और महीनों का समय मांगना मामले को 'उलझाने' वाला है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, ''यह कुछ नहीं बल्कि चुनाव से पहले जानकारी सार्वजनिक करने से बचने का हथकंडा है क्योंकि चुनाव से पहले खुलासा होने से भाजपा के लिए असहज स्थिति उत्पन्न होगी। इससे स्पष्ट होगा कि जिन्होंने भाजपा को चंदा दिया उन्होंने ऐसा गुप्त उद्देश्य से किया, यह उद्देश्य या तो एजेंसियों की जाल से बचने के लिए था या सरकार से अनुकूल नीति बनवाने के लिए।''

उन्होंने कहा, ''पारदर्शी लोकतंत्र और निष्पक्ष आगामी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए यह अनिवार्य है कि एसबीआई, उच्चतम न्यायालय के आदेश का अनुपाल करे और खुलासा करे कि किन लोगों ने चुनावी बॉण्ड खरीदा और उन सभी बॉण्ड के लाभार्थी कौन थे।''

# जयपुर को मिनी पाकिस्तान नहीं बनने देंगे : विधायक गोपाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सिविल लाइन्स से विधायक बने गोपाल शर्मा ने देशविरोधी ताकतों को स्पष्ट चेतावनी दे दी है कि अब तुष्टिकरण और देशविरोधी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनका कहना है....खुद को कानून से ऊपर मानने वाले जयपुर के कुछ कांग्रेस विधायकों की मानसिकता अवैध निर्माणों को बढ़ावा देने की रही है, लेकिन भाजपा सरकार में अब ऐसा करना संभव नहीं है।इसी को लेकर मैंने हेरिटेज नगर निगम की बैठक में यह विषय उठाया कि हाईकोर्ट के आदेशों की पालना में हटवाड़ा हटेगा और सेटबैक छोड़कर कानून के अनुसार निर्माण कार्य होने चाहिएं। हम जयपुर को मिनी पाकिस्तान नहीं बनने देंगे। विधायक गोपाल शर्मा ने आगे कहा...इस पर कांग्रेस विधायक रफीक खान और अमीन कागजी उत्तेजित हो गए। उनके द्वारा राष्ट्रगान का अपमान किया गया और उसे रोका गया। ये सब देशद्रोह पूर्ण गतिविधि नहीं हैं तो और क्या हैं? प्रदेश में सरकार बदले हुए 4 महीने से अधिक का समय हो गया, लेकिन इनकी मानसिकता अब भी तुष्टिकरण और तानाशाही वाली है, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# भाजपा ने आठ जिलाध्यक्ष बदले

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान में आठ जिलों में नए जिलाध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की है। पार्टी के प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल ने प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के निर्देश पर बुधवार रात इस बारे में आदेश जारी किया।

इसके तहत झुंझुनूं में बनवारीलाल सैनी को, सीकर में कमल सिकवाल को, टोंक में अजीत मेहता को, डूंगरपुर में हरीश पाटीदार को, कोटा शहर में राकेश जैन को, कोटा देहात में प्रेम गोचर को, बूंदी में सुरेश अग्रवाल और बारां में नंदलाल सुमन को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि पार्टी ने किसान मोर्चा के जिलाध्यक्षों सहित कई पदों पर हाल ही में नियुक्ति की हैं।

# मेडिकल कॉलेजों का कार्य प्राथमिकता से पूरा कराएगी राज्य सरकार : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। शर्मा गुरुवार को जयपुर स्थित जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल शिलान्यास समारोह को वर्चुअल सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार सभी स्वीकृत सरकारी मेडिकल कॉलेजों का कार्य प्राथमिकता से पूरा करायेगी, जिससे आमजन को अपने जिलों में ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में 15 मेडिकल कॉलेजों की स्वीकृति जारी होने के बाद भी कार्य की गति धीमी रही और केन्द्र से प्राप्त राशि भी पूर्ण रूप से खर्च नहीं हो सकी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरोग्य राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा बजट में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में आईपीडी के साथ डे-केयर पैकेज जोड़ना, कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का ओपीडी में इलाज, हाई-वे पर 25 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस उपलब्ध कराना, समस्त मानदेय कर्मियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि करना जैसे संवेदनशील निर्णय किए गए हैं।

शर्मा ने कहा कि देश में वर्ष 2014 के बाद चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में क्रान्तिकारी परिवर्तन आए हैं और आज मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 706 हो गई है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से हमारे देश ने कोविड का टीका विकसित कर 100 से अधिक देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराई हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने जेईसीआरसी के मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल शिलान्यास पट्टिका का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में जेईसीआरसी फाउण्डेशन के अध्यक्ष ओपी अग्रवाल, उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल और अर्पित अग्रवाल सहित यूनिवर्सिटी के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

# अलवर लोकसभा सीट के प्रत्याशी भूपेंद्र यादव ने शुरू किया प्रचार अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। केंद्रीय श्रम मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अलवर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को भिवाड़ी से अपना प्रचार-प्रसार अभियान शुरू कर दिया। यादव ने भिवाडी में बाबा मोहन राम की तपस्थली काली खोली पर माथा टेका और जीत का आशीर्वाद लिया। भिवाड़ी सीमा पर पहुंचने पर भाजपा के बडी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

यादव ने इस अवसर पर पत्रकारों से कहा कि अलवर संत ऋषियों की धरती है, तपोस्थली है और अलवर के प्रवेश द्वार से आज बाबा मोहन राम की तपस्थली पर आशीर्वाद लेकर प्रचार प्रचार शुरू किया। अब अलवर की जनता का आशीर्वाद लेना है। उन्होंने कहा कि जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को सफल बनाने के लिये पूरी तरह तैयार हैं। देश में 400 कमल खिलाने हैं और अलवर में भी कमल खिलाना है। बार-बार भाजपा के प्रत्याशी बदलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास ही और 36 बिरादरियों का साथ लेकर मोदी की गारंटी को सफल बनाना है।

इधर,अलवर में आज लोकसभा की कोर कमेटी की बैठक की गई, जिसमें प्रभारी अरुण चतुर्वेदी, यादव सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे और रणनीति पर चर्चा की गयी। बैठक को संबोधित करते हुये यादव ने कहा कि हर बूथ पर 370 नये वोटर भाजपा के पक्ष में निर्धारित करने का लक्ष्य रखा गया और संगठन का हर कार्य हर बूथ लेवल तक स्तर पर हुआ है। यहां के लोगों ने उन्हें पूरा मान सम्मान दिया है।

# हम युवाओं को 'भर्ती भरोसे' की गारंटी देंगे : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में केंद्र में पार्टी की सरकार बनने पर युवाओं को 'भर्ती भरोसे' की गारंटी दी जाएगी जिसके तहत सरकारी नौकरियों के रिक्त पद भरे जाएंगे। खरगे ने पार्टी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के तहत बांसवाड़ा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए खरगे ने यह भी कहा कि कांग्रेस की गारंटी पक्की गारंटी है।

कांग्रेस ने 'एक्स' लिखा, युवा न्याय... 2024 में कांग्रेस की सरकार बनते ही, देश के युवाओं को भर्ती भरोसा देकर, एक नई रोजगार क्रांति की शुरुआत की जाएगी। खरगे ने युवाओं के लिए पांच बड़ी घोषणाएं कीं जिनमें भर्ती भरोसा, पहली नौकरी पक्की, पेपर लीक से मुक्ति, 'गिग इकॉनमी' में सामाजिक सुरक्षा एवं युवा रोशनी शामिल हैं। इस सभा को बाद में संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी की इन घोषणाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सरकारी क्षेत्र में 30 लाख पद खाली हैं जिन्हें कांग्रेस की सरकार आने पर भरा जाएगा।

खरगे ने कहा, भाजपा हमेशा गरीबों के खिलाफ है। अगर आप भाजपा को मजबूत करेंगे तो मैं यह कहूंगा कि देश के खिलाफ काम होगा। इसलिये हम युवाओं के लिये ये पांच घोषणा करते हैं। राजस्थान विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार पर हैरानी जताते हुए खरगे ने कहा, लोग बगैर काम करे जीतते हैं लेकिन हम यहां (राजस्थान) में काम करके हार गये.. इसकी क्या वजह है? उन्होंने कहा,' हमारी गारंटी मोदी जी जैसी नहीं है ... हमारी गारंटी तो पक्की गारंटी होती है, मोदी जैसी गारंटी नहीं होती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने नोटबंदी कर और जीएसटी लाकर देश के गरीब को बर्बाद किया। उन्होंने कहा, आदिवासी, अनुसूचित जाति, अन्य पिछडा वर्ग , गरीब लोग एवं किसान एकजुट होंगे तो मोदी सत्ता छोड़कर भाग जाएंगे। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने और जातिगत जनगणना करवाने की बात भी कही।

# सरकार में आए तो युवाओं को 30 लाख नौकरियां देंगे, एमएसपी की कानूनी गारंटी मिलेगी : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले युवाओं एवं किसानों के लिए दो बड़ी घोषणाएं करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र में उनकी पार्टी की सरकार बनने पर 30 लाख सरकारी नौकरियां दी जाएंगी तथा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी दी जाएगी। वह अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के तहत बांसवाड़ा में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि केंद्र में सरकार बनने पर कांग्रेस युवाओं के लिए पांच ऐतिहासिक काम करने जा रही है जिनमें भर्ती भरोसा, पहली नौकरी पक्की, पेपर लीक से मुक्ति, 'गिग इकॉनमी' में सामाजिक सुरक्षा और युवा रोशनी शामिल हैं। युवाओं को तीस लाख नौकरियां देने की घोषणा करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, युवाओं के लिए कांग्रेस पार्टी क्या करने जा रही है? सबसे पहला कदम, हमने गिनती की है- हिंदुस्तान में 30 लाख सरकारी पद खाली हैं ... (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी इनको भरवाते नहीं है। भाजपा इन्हें भरवाती नहीं है। कांग्रेस के सरकार में आने के बाद एकदम पहला काम होगा कि ये 30 लाख सरकारी नौकरियां हम दे देंगे।

उन्होंने कहा कि 'पहली नौकरी पक्की' के वादे के तहत केंद्र में कांग्रेस की सरकार आने पर हर 'ग्रेजुएट', 'डिप्लोमा धारक' युवा को सरकारी या निजी कंपनी में एक साल के 'अप्रेंटिसशिप' दी जाएगी। गांधी ने कहा, हम देश के सभी युवाओं को अप्रेंटिसशिप का अधिकार देने जा रहे हैं। ये अधिकार हर स्नातक, हर डिप्लोमा धारक को मिलेगा। हर स्नातक को निजी कंपनी में, सरकारी ऑफिस में एक साल की अप्रेंटिसशिप दी जाएगी और एक लाख रुपये उसे एक साल में दिया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा,यह मनरेगा जैसा अधिकार होगा। इससे देश में करोड़ों युवाओं को फायदा होगा। उन्हें ट्रेनिंग मिलेगी और एक तरह से पहले साल का रोजगार मिलेगा। उन्होंने तीसरी बड़ी घोषणा 'पेपर लीक' से युवाओं को मुक्ति दिलाने की की।

गांधी ने कहा कि कांग्रेस सरकार में आने पर पेपर लीक के खिलाफ सख्त कानून लाएगी और परीक्षा आयोजित करवाने के तरीकों का मानकीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं के आयोजन में निजी कंपनियों का दखल बंद किया जाएगा। गांधी ने ओला, उबर, स्विगी, जोमैटो, अमेजन आदि कंपनियों के लिए चालक, गार्ड एवं प्रतिनिधियों के रूप में काम करने वाले 'गिग वर्कर्स' के लिए सामाजिक सुरक्षा कानून लाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा,राजस्थान में इनकी रक्षा, इनकी पेंशन, इनकी सामाजिक सुरक्षा के लिए कानून बनाया गया था। जो कानून राजस्थान में बनाया गया था वही कानून हम पूरे देश में लागू करेंगे। इसके अलावा उन्होंने 'युवा रोशनी' की घोषणा की जिसके तहत देश के सभी जिलों के लिए 5,000 करोड़ रुपए का स्टार्टअप के लिए फंड दिया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा,ये पांच ऐतिहासिक काम हैं... युवाओं के लिए भर्ती भरोसा, पहली नौकरी पक्की करना, पेपर लीक से मुक्ति, गिग कर्मियों के लिए सामाजिक सुरक्षा एवं 'युवा रोशनी' के तहत जिलों में स्टार्टअप के लिए 5,000 करोड़ रुपए ... ये हम आपके लिए करने जा रहे हैं।

# उत्तरलाई हवाई अड्डे के निर्माण के लिए अब शीघ्र काम शुरू होने की संभावना : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाड़मेर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद अब सीमांत बाड़मेर संसदीय क्षेत्र के उत्तरलाई में हवाई अड्डे निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने यह बात कहते हुए बताया कि राजस्थान सरकार के उड्डयन विभाग की ओर से जिला कलेक्टर बाड़मेर को संबंधित निर्माण कार्य के लिए स्वीकृति एवं बजट राशि का अनुमोदन पत्र भेजा गया। चौधरी ने कहा कि उन्होंने उत्तरलाई में एयरपोर्ट निर्माण के लिए लगातार प्रयास किया लेकिन पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के असहयोग के कारण वे सिरे नहीं चढ़ पा रहे थे। विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश में भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में नई सरकार गठन के बाद उत्तरलाई में हवाई अड्डा निर्माण की कवायद तेजी से आगे बढ़ी और इसके परिणामस्वरूप राज्य सरकार के मंत्रिमंडल बैठक में प्रस्ताव पारित करके सहमति एवं स्वीकृति जारी की गई।

उन्होंने कहा कि वह लगातार अपने पांच साल के कार्यकाल में केंद्रीय उड्डयन मंत्री से मुलाकात, वार्ता एवं पत्र व्यवहार के माध्यम से उत्तरलाई में एयरपोर्ट निर्माण को लेकर लगातार प्रयासरत थे। लेकिन पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की ओर से केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय की ओर से मांगी जा रही आवश्यक जमीन की स्वीकृति नहीं मिलने से यह कार्य लगातार बाधित रहा।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्ववर्ती प्रदेश कांग्रेस सरकार ने जानबूझकर उत्तरलाई में एयरपोर्ट के निर्माण कार्य को बाधित किया। इससे संसदीय क्षेत्र बाड़मेर एवं बालोतरा की जनता को हवाई यात्रा की सौगात नहीं मिल पाई। परंतु अभी डबल इंजन की सरकार के कारण इसको लेकर क्षेत्र की जनता को बुधवार को खुशखबरी मिल गई। उन्होंने कहा कि अब इसका निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होने की संभावना है।

# स्थानीय उत्पाद खरीदकर वॉकल फोर लोकल को दें बढ़ावा : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से 6400 करोड़ रुपए की 58 विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजना के तहत प्रदेश में भी 62.58 करोड़ रुपये की लागत के तीन प्रमुख आध्यात्मिक स्थानों पर हुए विकास कार्यों का लोकार्पण और शुभारंभ किया गया। इस राशि से सांवलिया सेठ मंदिर में विकास कार्य तथा करणी माता मंदिर एवं केशोरायपाटन में आध्यात्मिक अनुभव केन्द्र के विकास कार्य कराए गए हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से देश में पर्यटन क्षेत्र का विकास होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने देश में 40 से अधिक ऐसे स्थानों की पहचान की है जिन्हें पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने देखो अपना देश पीपुल्स च्वाइस अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस अभियान का उद्देश्य विदेश में रहने वाले लोगों को भारत आने के लिए प्रेरित करना है। प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों से अपील की कि वे अपने विदेशी मित्रों को भारत आने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर सहित देश के विभिन्न स्थानों को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा दिया जाए, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़े। मोदी ने वॉकल फोर लोकल पर जोर देते हुए देशवासियों से आह्वान किया कि कहीं भी घूमने जाएं तो स्थानीय उत्पाद अवश्य खरीदें।

इस अवसर पर मंडफिया (चित्तौड़गढ़), केशोरायपाटन (बूंदी) तथा बीकानेर में आयोजित समारोहों को वर्चुअल रूप से सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सनातन धर्म, सभ्यता और सांस्कृतिक परम्परा का पूरी दुनिया में फिर से मान बढ़ा है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग बन रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पुरातन आध्यात्मिक स्थलों का पुनरूद्धार भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के 20 मन्दिरों और आस्था धामों के विकास कार्यों के लिए आगामी वर्ष में 300 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया है। इससे पुष्कर के घाटों का विकास, ब्रज चौरासी परिक्रमा मार्ग, भरतपुर में पर्यटकों हेतु आधारभूत सुविधाओं का विकास, तनोट माता मंदिर जैसलमेर आदि का विकास करवाया जाएगा।

# बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के लिए जागरूकता के साथ सुशासन के लिए हो कार्य : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के वैधानिक नियमों, नीतियों और कानून के संबंध में जागरूकता के साथ ही सुशासन के लिए भ्रष्टाचार की प्रभावी रोकथाम करने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने का आह्वान किया हैं।

मिश्र गुरुवार को राजभवन में सरदार पटेल, सुरक्षा एवं दांडिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर की यूनिसेफ द्वारा प्रायोजित राजस्थान पुलिस अधिकारियों के शोध अध्ययन आधारित पुस्तक बालिकाओं के खिलाफ होने वाले यौन अपराधों के कारण एवं रोकथाम और विश्वविद्याल के काउंटर करप्शन केंद्र द्वारा प्रकाशित सुशासन के अंतर्गत भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान से संबंधित संपादित पुस्तक का लोकार्पण के अवसर पर यह आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि बाल यौन अपराध समाज विकास का बड़ा अवरोध है। उन्होंने ऐसे अपराधों को रोके जाने के लिए कारगर और प्रभावी प्रयास किए जाने पर जोर दिया। मिश्र ने 'बच्चों का संरक्षण कानून पोस्को की चर्चा करते हुए कहा कि बाल यौन अपराधों के संबंध में सजा के लिए स्पेशल कोर्ट की भी व्यवस्था है। ऐसे अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्यवाही होनी चाहिए। उन्होंने विद्यालयों में बच्चों को भी असामान्य 'व्यवहार' के प्रति सजग रहने के लिये प्रेरित करने, इंटरनेट, मोबाइल, सोशल मीडिया के अश्लील सामग्री को भी यथासंभव प्रतिङ्बंधित किए जाने आदि पर जोर दिया।

उन्होंने सुशासन के साथ भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए भी सबको मिलकर कार्य किए जाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने दोनों ही पुस्तकों के अंतर्गत हुए अध्ययन को महत्वपूर्ण बताया।

# सनातन संस्कृति और सेवा मूल्यों के लिए सब मिलकर कार्य करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि जिस समाज में प्रतिभाओं का सम्मान होता है, उसी का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने भारतीय सनातन संस्कृति और सेवा से जुड़े जीवन मूल्यों को अपनाते हुए सभी को जीवन के आलोक पथ पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने छीपा समाज द्वारा समाजसेवा, शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान करते हुए कहा कि विकसित भारत के लिए विशिष्ट क्षेत्रों में सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल मिश्र 'रूप नारायण छीपा फाउंडेशन' सम्मान समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दूसरों की भलाई के समान कोई धर्म नहीं है और दूसरों को दुःख पहुँचाने के समान कोई पाप नहीं है। उन्होंने भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्यों को अपनाते हुए राष्ट्र के विकास में सभी को योगदान देने का आह्वान किया।

मिश्र ने संत रैदास, कबीर, स्वामी विवेकानंद आदि की शिक्षाओं को अपनाए जाने पर जोर देते हुए वैदिक संस्कृति के अंतर्गत मानव कल्याण को सर्वोपरि रखते हुए कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यजुर्वेद में हम सभी को राष्ट्र का पुरोहित कहा गया हैं। राष्ट्र के पुरोहित होने का अर्थ है, राष्ट्र की समृद्धि और संपन्नता के लिए हम आहूतियां दें। हम यह कामना करें कि सभी प्राणी सुखी हो-सबके सुख में हमारा सुख हो। यह उदात्त भावना ही भारतीय संस्कृति का मूल है।

राज्यसभा सांसद और पूर्व शिक्षा मंत्री घनश्याम तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के लिए यह सांस्कृतिक अभ्युदय का समय है।

# सीकर जिले में सड़क हादसे में तीन चचेरे भाइयों की मौत

सीकर। राजस्थान में सीकर जिले के नेछवा थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि तीनों चचेरे भाई थे। उसके अनुसार लक्ष्मणगढ़ कस्बे में यह हादसा तब हुआ जब एक कार से चार लोग बुधवार देर रात एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे और यह कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई एवं उसमें आग लग गई। नेछवा थाने के हेड कांस्टेबल रामेश्वर लाल ने बताया कि कार में सवार तीन चचेरे भाई जिंदा जल गए और एक अन्य झुलस गया। उन्होंने बताया कि झुलस गये व्यक्ति को उपचार के लिए सीकर से जयपुर ले जाने का परामर्श दिया गया है। उनके अनुसार हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा घायल व्यक्ति के बयान दर्ज होने के बाद चल सकेगा।

लाल ने बताया कि चारों लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद कार से लक्ष्मणगढ़ लौट रहे थे।

# पीएमविद्यालय योजना के द्वितीय चरण में 237 विद्यालयों का चयन

जयपुर। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने राज्य में पीएमविद्यालय योजना के द्वितीय चरण में 237 पीएमविद्यालयों का चयन किया है। परिषद के आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि केन्द्र प्रवर्तित पीएमविद्यालय योजना के प्रथम चरण में प्रदेश के 402 विद्यालयों का चयन किया गया था। योजना में अब तक राज्य के कुल 639 विद्यालयों का चयन किया जा चुका है। योजना के द्वितीय चरण में अजमेर जिले में 10, अलवर 12, बांसवाड़ा सात, बांरा छह, बाड़मेर आठ, भरतपुर सात, भीलवाड़ा 10, बीकानेर सात, बूंदी सात, चित्तौड़गढ़ चार, चूरू नौ, दौसा छह, धौलपुर छह, डूंगरपुर चार, हनुमानगढ़ सात, जयपुर सात, जैसलमेर तीन, जालौर आठ, झालावाड़ चार, झुन्झनू नौ, जोधपुर पांच, करौली पांच, कोटा पांच, नागौर 12, पाली 12, प्रतापगढ़ पांच, राजसमन्द आठ, सवाईमाधोपुर तीन, सीकर 14, सिरोही चार, श्रीगंगानगर सात, टोंक आठ, उदयपुर आठ विद्यालयों का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि पीएमविद्यालय योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अनुशंसा के अनुरूप सभी स्तरों पर गुणवत्तापूर्ण समान एवं समावेशी शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित कर विद्यालयों का सम्पूर्ण रूपान्तरण करना है।

# कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की प्राथमिकता परिवारों के हितों को बढ़ावा देना है : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**आगरा (उप्र)/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन की प्राथमिकता परिवारों के हितों को बढ़ावा देना है और उन्हें दलितों एवं समाज के कमजोर वर्गों की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक देश पर शासन करने वाली कांग्रेस ने दलितों को 'वोट पाने का साधन' माना और उसे दलितों और वंचितों की कोई चिंता नहीं है।

नड्डा ने यह बात आगरा में आयोजित भाजपा के 'अनुसूचित जाति महासम्मेलन' को संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। नड्डा ने कहा, आजादी के बाद से देश में कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही। उसने हमारे दलित और अनुसूचित जाति के भाइयों को मानवता की दृष्टि से नहीं देखा, उसने हमेशा उन्हें वोट लेने के साधन के रूप में देखा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के अपनी सरकार के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 हटाने से जम्मू-कश्मीर में अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों को आरक्षण का लाभ मिलेगा और उन्हें सरकारी नौकरियां मिलेंगी और परिसीमन के बाद उनके लिए सीटें आरक्षित होंगी।

नड्डा ने विपक्ष के नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस ('इंडिया' गठबंधन) पर निशाना साधते हुए कहा कि इसका उद्देश्य भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अभियान से परिवारों की पार्टियों को बचाना है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, यह कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी के अभियान से परिवारों को बचाने के लिए है। वे या तो जमानत पर हैं या जेल में हैं। नड्डा ने जम्मू-कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक के राजनीतिक दलों का नाम लिया और कहा कि ये परिवारों की पार्टियां हैं।

उन्होंने कहा, मुझे बताएं कि फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला परिवार की पार्टी हैं या नहीं, मुफ्ती मोहम्मद और महबूबा मुफ्ती परिवार की पार्टी हैं या नहीं। पंजाब में प्रकाश सिंह बादल और सुखबीर सिंह बादल परिवार की पार्टी हैं या नहीं। उन्होंने कहा, हरियाणा में चौटाला परिवार परिवार की पार्टी है या नहीं। उत्तर प्रदेश में अखिलेश, डिंपल, (दिवंगत)मुलायम ( सिंहयादव) परिवार की पार्टी हैं या नहीं। बिहार में लालू (प्रसाद यादव), राबड़ी, मीसा, तेजस्वी, तेज प्रताप परिवार की पार्टी हैं या नहीं।

नड्डा ने कहा, बंगाल में बुआ भतीजा अभिषेक, ममता परिवार की पार्टी हैं या नहीं। तेलंगाना में केसीआर(के चंद्रशेखर राव), केटीआर(के टी रामाराव), कविता परिवार की पार्टी हैं या नहीं।

तमिलनाडु में (दिवंगत) करुणानिधि, स्टालिन, उदय निधि स्टालिन परिवार की पार्टी हैं या नहीं। महाराष्ट्र में शरद पवार, सुप्रिया सुले, शिवसेना, उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे परिवार की पार्टी हैं या नहीं। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी परिवार की पार्टी हैं या नहीं।

## अनुच्छेद 370 हटाकर मोदी ने श्रीनगर के नाम को सही अर्थ दिया : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चित्रकूट (मप्र)/भाषा।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाकर श्रीनगर के नाम को सही अर्थ दिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व स्तर पर देश का मान बढ़ाया है। यादव ने 'स्वदेश दर्शन योजना 2.0' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की, जिसके तहत प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल माध्यम से चित्रकूट से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी और कुछ परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने अनुच्छेद 370 को हटाकर श्रीनगर में 'श्री' के साथ न्याय किया। केंद्र ने संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू और कश्मीर को दिए गए विशेष दर्जे को पांच अगस्त 2019 को रद्द कर दिया था और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों – जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था। यादव ने कहा कि पहले जब शंकराचार्य अमेरिका जा रहे थे तो उन्हें अरब देश में उतरने की अनुमति नहीं दी गई थी और उस समय भारत में कांग्रेस सत्ता में थी।

## ग्रामीण इलाकों के 75% घरों में पहुंचा दिया गया है नल से जल कनेक्शन : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश के ग्रामीण इलाकों में अब तक लगभग 75 प्रतिशत घरों में नल से जल कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं।

शेखावत ने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए लक्ष्य की दिशा में प्रयास करने के लिए सभी राज्यों को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, सभी घरों में नल से जल कनेक्शन उपलब्ध कराने की हमारी यात्रा में यह बड़ी उपलब्धि है, हमने हर घर जल की दिशा में 75 प्रतिशत का आंकड़ा पार कर लिया है। हर घरों में नल से जल उपलब्ध कराने के हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में अथक प्रयास के लिए सभी राज्यों और टीम 'जल जीवन मिशन' को बधाई देता हूं। धीरे-धीरे हम एक मजबूत, स्वस्थ भारत का निर्माण कर रहे हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कुल 19,27,94,822 ग्रामीण घरों में से अब तक 14,46,57,889 को नल से जल कनेक्शन मिल चुका हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने ग्रामीण इलाकों में 100 प्रतिशत कवरेज हासिल कर लिया है। कुल 15 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में नल से जल कवरेज 75-100 प्रतिशत के बीच है और छह राज्यों में 50-75 प्रतिशत है।

आंकड़ों के मुताबिक दो राज्यों-राजस्थान और पश्चिम बंगाल, में कवरेज 50 प्रतिशत से कम है। वर्ष 2019 में शुरू किए गए जल जीवन मिशन का लक्ष्य 2024 तक भारत के ग्रामीण इलाकों के सभी घरों में नल से जल कनेक्शन के माध्यम से स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है।

## अब आर्थिक कानूनों में बदलाव करने की जरूरत : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत को अपनी वृद्धि की जरूरतों को देखते हुए आर्थिक कानूनों में बदलाव करने की जरूरत है। उन्होंने औपनिवेशक दौर के कानूनों की जगह लेने के लिए बनाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों का जिक्र करते हुए बृहस्पतिवार को यह बात कही। सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग के एक कार्यक्रम में वैष्णव ने कहा कि देश भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने के साथ आपराधिक न्यायशास्त्र में बदलाव का गवाह बनने जा रहा है।

इन तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर को संसद की मंजूरी मिली थी जिसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन्हें मंजूरी दी थी। ये तीनों कानून क्रमशः भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की जगह लेंगे। संचार, रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने कहा, इन कानूनों की तरह हमारी मौजूदा आवश्यकताओं और वृद्धि की जरूरतों को देखते हुए आर्थिक कानूनों में भी बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा, अगर आप 2,000 अच्छे वकीलों की सेवाएं लेते हैं तो आप अगले पांच वर्षों में लगभग 35,000 कानूनों में सुधार कर सकते हैं।

वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में सरकार विनिर्माण क्षेत्र पर अधिक ध्यान देगी क्योंकि इस क्षेत्र में रोजगार सृजन की व्यापक क्षमता है।

## त्रिपुरा सरकार में शामिल होने के बाद टिपरा मोथा ने कहा, ग्रेटर टिपरालैंड की मांग नहीं छोड़ेंगे'

**अगरतला/भाषा।** त्रिपुरा में बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार में शामिल हुई टिपरा मोथा पार्टी ने कहा कि वे त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को अलग कर एक अलग 'ग्रेटर टिपरालैंड' राज्य बनाने की अपनी मांग नहीं छोड़ेंगे। टिपरा मोथा के वरिष्ठ नेता अनिमेष देबबर्मा और पार्टी विधायक बृषकेतु देबबर्मा ने बृहस्पतिवार को भाजपा नीत सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। नई दिल्ली में टिपरा मोथा, त्रिपुरा सरकार और केंद्र के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के कुछ दिनों बाद यह राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया। शपथ ग्रहण समारोह के बाद वरिष्ठ नेता अनिमेष देबबर्मा ने कहा कि उनकी पार्टी अपने 'लक्ष्य' की ओर बढ़ेगी।

'ग्रेटर टिपरालैंड' के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि पार्टी की मांग में कोई बदलाव नहीं होगा। देबबर्मा ने कहा, हम अपने लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में काम करेंगे। यह पूछने पर कि क्या सरकार में शामिल होने के बाद भी वे अपनी मांग के लिए आंदोलन कर पाएंगे, उन्होंने कहा, बेशक, हम आंदोलन कर सकते हैं। आंदोलनों में हिस्सा लेने के दौरान केंद्रीय मंत्रियों के गिरफ्तार होने के कई उदाहरण हैं। हम सरकार में रहते हुए भी अपनी मांगों को लेकर आगे बढ़ेंगे। पार्टी प्रमुख प्रद्योत देबबर्मा ने कहा, जो लोग मंत्री बन गए हैं, वे काम करने की शैली नहीं बदल सकते। उन्हें अपनी मांगें मंत्रिमंडल में भी उठानी होंगी। जो बाहर होगा वह अंदर भी होगा। हम अपनी मांगों को लेकर दिल्ली में भी बात करेंगे।

## भारतीय जनता पार्टी 'वॉशिंग मशीन' है : शरद पवार

भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे लोग वहां जाकर अपने दाग मिटा सकते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पुणे/भाषा।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह एक ''वॉशिंग मशीन'' बन गई है, जिसमें भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे लोग ''अपने दाग मिटाने'' के लिए शामिल हो सकते हैं।

उन्होंने झारखंड में हेमंत सोरेन और दिल्ली में अरविंद केजरीवाल समेत गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निशाना बनाने के लिए केंद्र की आलोचना की। पवार ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की आलोचना समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा।

पुणे जिले के लोनावाला में राकांपा (शरद) के कार्यकर्ताओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भ्रष्टाचार की चर्चा करते हुए अविभाजित राकांपा की आलोचना करते थे। संसद में सभी को एक पुस्तिका दी गई थी जिसमें बताया गया था कि जब भाजपा सत्ता में नहीं थी तो क्या-क्या गड़बड़ियां हुईं। उन्होंने कहा, उस पुस्तिका में आदर्श घोटाले और उसमें अशोक चव्हाण की कथित संलिप्तता का उल्लेख किया गया है।

## टोक्यो ओलंपिक के कांस्य को पेरिस में स्वर्ण पदक में तब्दील करना है लक्ष्य : हरमनप्रीत सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक को आगामी पेरिस खेलों में स्वर्ण पदक में बदलने का है। रिकॉर्ड आठ बार की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम ने 2021 में टोक्यो में कांस्य पदक के प्लेऑफ में 1-3 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जर्मनी को 5-4 से हराकर 41 साल के ओलंपिक पदक के सूखे को समाप्त किया था।

भारत ने पिछला ओलंपिक स्वर्ण पदक 1980 में मास्को खेलों में जीता था। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के ड्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए हरमनप्रीत ने कहा, टोक्यो में कांस्य पदक जीतना यादगार पल रहा और हम उसी लय को पेरिस ओलंपिक तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य पदक के रंग को बेहतर करके स्वर्ण पदक में तब्दील करना है। शुरू में हमारा ध्यान एक समय में एक कदम उठाने का होगा, ग्रुप चरण से अगले दौर में पहुंचने और क्वार्टरफाइनल में जगह सुनिश्चित करने का होगा। हमें भरोसा है कि हम अपने अनुभव और कौशल की बदौलत पोडियम स्थान हासिल करने के मजबूत दावेदार हैं।

## विदेशी नागरिकों से ठगी करने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 14 गिरफ्तार

**नोएडा/भाषा।** विदेशी नागरिकों से कथित रूप से करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले एक कॉल सेंटर का पुलिस ने खुलासा कर वहां से 14 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) विद्यासागर मिश्रा ने बताया कि थाना सेक्टर 39 पुलिस ने एक सूचना के आधार पर सेक्टर 108 में चल रहे एक कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। उन्होंने बताया कि मौके से पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने 4 कार, 18 लैपटॉप, 17 हैडफोन, नेट राउटर आदि बरामद किए हैं।

मिश्रा ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि ये लोग अमेरिका और अन्य देशों में रहने वाले लोगों के कंप्यूटर में वायरस डाल देते हैं, तथा उसे ठीक करने के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूलते हैं।

## इंडिया गठबंधन और पीडीए परिवार देश में परिवर्तन लाएगा : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**प्रयागराज/भाषा।** समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन और 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) परिवार देश में परिवर्तन लाने का काम करेंगे।

यहां एक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने आए यादव ने संवाददाताओं से कहा, जो लोग (भाजपा) 400 पार की बात कर रहे हैं, उन्हें इंडिया गठबंधन और पीडीए परिवार मिलकर 400 सीटों पर हराने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वे लोग किसानों की आय दोगुनी करने की बात करते थे, लेकिन आय दोगुनी नहीं हुई, बल्कि किसानों का लाभ छीन लिया गया। उन्होंने कहा कि इसी तरह, नौजवान प्रयागराज में आरओ (समीक्षा अधिकारी), एआरओ (सहायक समीक्षा अधिकारी) परीक्षा में पेपर लीक होने के खिलाफ धरने पर बैठा था। उन्होंने कहा कि यह कैसी सरकार है जिसमें हर प्रतियोगी परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक हो रहा है। सपा प्रमुख ने कहा, यह सरकार के पेपर लीक नहीं हो रहे, बल्कि इनके वोट लीक हो रहे हैं। करीब 60 लाख बच्चों को दोबारा परीक्षा देनी पड़ेगी।

एक छात्र के परिवार में यदि तीन लोग भी हों तो एक करोड़ अस्सी लाख मतदाता होते हैं। यदि हम इन्हें 80 लोकसभा सीटों से भाग दे दें तो हर लोकसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के दो लाख 25 हजार वोट लीक हो गए हैं।

## कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय भाजपा में शामिल

**कोलकाता/भाषा।** कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से इस्तीफा देने के दो दिन बाद अभिजीत गंगोपाध्याय बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद गंगोपाध्याय ने मंगलवार को घोषणा की थी कि वह भाजपा में शामिल होंगे। गंगोपाध्याय ने भाजपा में शामिल होने के बाद कहा, आज मैंने एक नए क्षेत्र में कदम रखा है। मैं भाजपा में शामिल होकर खुश हूं और पार्टी के सिपाही के तौर पर काम करूंगा। हमारा उद्देश्य राज्य से भ्रष्ट टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) शासन को बाहर करना है। उनका साल्ट लेक स्थित भाजपा कार्यालय में भव्य स्वागत किया गया और पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने उन्हें पार्टी का झंडा सौंपा। भाजपा नेता और राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा, पश्चिम बंगाल की राजनीति को अभिजीत गंगोपाध्याय जैसे व्यक्ति की जरूरत है।

# कुलदीप और अश्विन ने इंग्लैंड को 218 रन पर समेटा, भारत मजबूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**धर्मशाला/भाषा।** बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव के पांच और 100वां टेस्ट खेल रहे ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के चार विकेट से इंग्लैंड को 218 रन पर समेटने के बाद भारत ने पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन एक विकेट पर 135 रन बनाकर अपना पलड़ा भारी रखा।

कप्तान रोहित शर्मा (83 गेंद में नाबाद 52, छह चौके, दो छक्के) और यशस्वी जायसवाल (58 गेंद में 57 रन, पांच चौके, तीन छक्के) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा पहले विकेट के लिए 104 रन की तेजतर्रार साझेदारी करके भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। दिन का खेल खत्म होने पर शुभमन गिल 26 रन बनाकर रोहित का साथ निभा रहे थे। भारत अब इंग्लैंड से सिर्फ 83 रन से पीछे है जबकि उसके नौ विकेट शेष हैं। कुलदीप (72 रन पर पांच विकेट) ने इससे पहले पारी में चौथी बार पांच या इससे अधिक विकेट चटकाते हुए इंग्लैंड के शीर्ष और मध्य क्रम को समेटा तो वहीं अश्विन (51 रन पर चार विकेट) ने निचले क्रम को ध्वस्त किया। रविंद्र जडेजा (17 रन पर एक विकेट) ने भी एक विकेट चटकाए जिससे सभी 10 विकेट स्पिनरों के खाते में गए।

इंग्लैंड की ओर से सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली (108 गेंद में 79 रन, 11 चौके और एक छक्का) शीर्ष स्कोरर रहे। अश्विन की तरह अपना 100वां टेस्ट खेल रहे जॉनी बेयरस्टो (18 गेंद में 29 रन), सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (27), जो रूट (26) और बेन फोक्स (24) अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे। भारत को रोहित और जायसवाल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। रोहित ने मार्क वुड पर चौके से खाता खोलने के बाद छक्का और चौका मारा। रोहित को 20 रन के स्कोर पर जेम्स एंडरसन की गेंद पर मैदानी अंपायर ने विकेट के पीछे कैच आउट करार दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें फैसला बदलना पड़ा क्योंकि गेंद पैड से लगकर गई थी। जायसवाल ने धीमी शुरुआत के बाद शोएब बशीर का स्वागत चार गेंद में तीन छक्कों के साथ किया। जायसवाल ने बशीर पर लगातार दो चौकों के साथ 56 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और 21वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। वह हालांकि अगली गेंद पर एक और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में फोक्स के हाथों स्टंप हो गए।

## भाजपा संदेशखालि को लेकर गलत सूचना फैला रही : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगाल महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित

**कोलकाता/भाषा।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संदेशखालि की घटना को लेकर गलत सूचना फैला रही है। उन्होंने साथ ही दावा किया कि पश्चिम बंगाल महिलाओं के लिए देश में सबसे सुरक्षित राज्य है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल सरकार को महिला सुरक्षा पर 'भाषण' देने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री तब चुप रहते हैं जब भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं पर अत्याचार होता है।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय का स्पष्ट संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा, हम आपकी हार सुनिश्चित करेंगे फिर चाहे लोकसभा चुनाव में आप कहीं से भी लड़ें। गंगोपाध्याय बृहस्पतिवार को ही भाजपा में शामिल हुए। ममता बनर्जी ने महिला अधिकार को लेकर कोलकाता में आयोजित रैली का नेतृत्व किया। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, कई लोगों ने संदेशखालि पर फर्जी संदेश दिया है। कुछ घटनाओं को जिस तरह से दिखाया गया वह निंदनीय है। कुछ घटनाएं घटी होंगी और वे हम तक नहीं पहुंची होंगी। लेकिन जब हमें पता चलता है तो हम कार्रवाई करते हैं। अगर तृणमूल कार्यकर्ता गलती पर हैं तो मुझे उसे गिरफ्तार करने में कोई झिझक नहीं है।

प्रधानमंत्री का नाम लिए बिना तृणमूल प्रमुख ने कहा, कल आप यहां आए और हमें उपदेश दिया कि यहां महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में वीभत्स बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं। भाजपा को शर्म आनी चाहिए कि मणिपुर में हमारी बेटियों के साथ बलात्कार किया गया और उन्हें जला दिया गया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल महिलाओं की सुरक्षा के लिहाज से देश का सबसे सुरक्षित राज्य है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था कि 'संदेशखालि का ज्वार' पूरे पश्चिम बंगाल में फूटेगा, जहां 'नारी शक्ति' लोकसभा चुनावों में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी को हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ममता बनर्जी का यह बयान इसी संदर्भ में आया है।

बनर्जी ने भाजपा नेताओं पर पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा के बारे में अफवाह फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं पर अत्याचार होता है तो वे चुप्पी साध लेते हैं।

गंगोपाध्याय पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा, उन्होंने अपने फैसलों के जरिये राज्य के हजारों युवाओं की नौकरी छीन ली। उन्होंने कहा, युवा आपको कभी माफ नहीं करेंगे। आपके सभी फैसले सवालों के घेरे में है। हम आपकी हार सुनिश्चित करेंगे।

### सुविचार

**अगर नशा करना ही है तो मेहनत का करो, यकीन मानो बीमारी भी सक्सेस वाली ही आएगी।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# ये जाएं तो कहां जाएं?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा का यह बयान कि 'अगर लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी सत्ता में आई तो वह संशोधित नागरिकता अधिनियम-2019 (सीएए) को रद्द कर देगी', अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के प्रताड़ित हिंदू, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, जैन और पारसी समुदाय के लोगों को मायूस करने वाला है। राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से तो यह उम्मीद की जाती है कि वे ऐसे लोगों के प्रति ज्यादा संवेदनशीलता दिखाएं। आज उक्त तीनों देशों में अल्पसंख्यकों की हालत किसी से छिपी नहीं है। वे उधर चरमपंथियों की ओर से भीषण प्रताड़ना और भेदभाव का सामना कर रहे हैं। ऐसे में वे जाएं तो कहां जाएं? उनके लिए एकमात्र उम्मीद की किरण भारत है। वैसे भी इन तीनों देशों में अल्पसंख्यक कितने बचे हैं? अफगानिस्तान में तो अल्पसंख्यक परिवारों को अंगुलियों पर गिना जा सकता है। पाकिस्तान में कुछ लाख बचे हैं। कमोबेश यही स्थिति बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों की है। यह भी न भूलें कि सीएए इन लोगों की पूरी आबादी के लिए दरवाजे नहीं खोलता है। यह बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 तक भारत आए प्रताड़ित हिंदू, सिक्ख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई धर्मावलंबियों की स्थिति पर नरमी दिखाता है। क्या ये लोग भारत से इतने अपनत्व का अधिकार भी नहीं रखते? अपने धर्म के प्रति समर्पण क्या होता है, ये समुदाय इसकी मिसाल हैं। इन पर चरमपंथियों की ओर से हमले किए जाते हैं। इनके आराधना स्थलों को नुकसान पहुंचाया जाता है। सरकारी दफ्तरों से लेकर अदालतों तक में खुलकर भेदभाव होता है। इनकी बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। कदम-कदम पर धर्मांतरण को लेकर दबाव डाला जाता है। इसके बावजूद ये अपनी आस्था पर अडिग हैं।

इनमें से जो लोग आर्थिक रूप से सक्षम हैं (जिनकी तादाद थोड़ी-सी है), वे नागरिकता के लिए यूरोप चले जाते हैं। उन्हें भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उसके बाद जो पीछे रह जाते हैं, उन्हें पूरी उम्मीद भारत से ही होती है। उनके लिए भारत स्वाभाविक आकर्षण इसलिए भी है, क्योंकि यहां उन्हें भाषा, संस्कृति, खान-पान, परंपराओं आदि के मामले में किसी तरह के भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ता। धार्मिक स्वतंत्रता तो अपनी जगह है ही। वे भारत को अपने पूर्वजों की भूमि मानते हैं, जो ग़लत नहीं है। किसी समय यह संपूर्ण भूभाग भारत ही था। दुर्भाग्य से कालांतर में विखंडन हुआ और हमसे हमारा बहुत कुछ छिन गया, बहुत लोग हमसे बिछड़ गए। इसकी पीड़ा आज तक महसूस होती है। जो हमसे अलग हुए, बिछड़े, उन्होंने भी कालांतर में घोर संकटों का सामना किया और आज तक कर रहे हैं। सत्य है, अपनी जड़ों से कटकर कोई सुखी नहीं रह सकता। वह अपनी पहचान को लेकर हमेशा भ्रम की स्थिति में रहता है। इस समय भारतवासियों का कर्तव्य है कि वे सांस्कृतिक चेतना के अग्रदूत बनें। इससे उन लोगों का भी कल्याण होगा, जो किन्हीं कारणों से हमसे बिछड़े, दूर हुए। सीएए इसी चेतना का एक हिस्सा है। यह अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के पीड़ित व प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को इस बात का एहसास दिलाता है कि वे अकेले नहीं हैं, उनके भारतवासी भाई-बहन उनकी पीड़ा समझते हैं, वे उनके घावों पर मलहम लगाएंगे, वे उनके लिए द्वार खोलेंगे। हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों का यही मत था कि पाकिस्तान (जिसमें आज का बांग्लादेश भी शामिल था) से प्रताड़ित होकर भारत आने वाले लोगों को शरण दी जाए। आज सभी राजनीतिक दलों को उनके मत का सम्मान करना चाहिए, उन्हें उदारता दिखानी चाहिए।

## ट्वीटर टॉक

आज मोदी जी के नेतृत्व में अनुसूचित जाति की दृष्टि से सामाजिक न्याय मंत्रालय का 90% बजट बढ़ा दिया गया है। अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के तहत 31 हजार गांवों को शामिल किया गया है। जिससे इन गांव में रहने वाले साढ़े 35 लाख लोगों का जीवन सुधर सके।

**-जेपी नड्डा**

370 से फायदा जम्मू कश्मीर को था या कुछ राजनीतिक परिवार ही इसका लाभ उठा रहे थे। जम्मू कश्मीर की आवाम ये सच्चाई जान चुकी है कि उनको गुमराह किया गया था। कुछ परिवारों के फायदे के लिए जम्मू कश्मीर को जंजीरों में जकड़ दिया गया था।

**-नरेन्द्र मोदी**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ प्रचारक आदरणीय दुर्गादास जी की माता जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर पुण्य आत्मा को शान्ति प्रदान करें। शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

**-दीया कुमारी**

### प्रेरक प्रसंग

## प्रेम से जीवन

महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का स्वभाव एकदम अनूठा था। बनारस में रात को एक कवि सम्मेलन से लौटते हुए वो एक बगीचे में अचानक ठहर गये और कुछ देर तक मधुर गीत गाने लगे। उनका सहायक होटल चलकर आराम करने का बार-बार आग्रह कर रहा था। वो बोले बस एक गीत और गुनगुना लूं, फिर चलते हैं। वे सहायक से बोले, 'तुमको पता है, यह बगीचा प्रेम की दास्तान है।' उसने कहा, 'जी, बिलकुल नहीं पता महाकवि।' तो निराला ने संकेत करके कहा, 'वो देखो वो उस क्यारी में उन फूलों के आंचल में भंवरे गहरी नींद सो रहे हैं। जानते हो इस प्रेम डोर का बंधन ही कुछ अलग है। भंवरा दिन भर पूरे बगीचे में शोर कर सकता है पर वही भंवरा शाम होने पर फूल की पंखुड़ियों में शरण लेने जाता है। क्योंकि वहां प्रेम है। प्रेम की ही वजह से वह यह आश्रय मंजूर कर लेता है, मुझे भी प्रकृति से प्रेम है इसलिए मैं यहां दूर से उनको देखता हूं पर उनके आराम में खलल नहीं करता। आप जिसे चाहते हैं उसे तंग कैसे कर सकते हैं! सुनो प्रिय, जिसने जीवन में प्रेम में डुबकी नहीं लगाई, उसका तो जीवन रूखा है। सही मायने में जीवन से प्रेम को घटा कर दो फिर शून्य ही बचता है, जीवन में फिर कोई सार नहीं रह जाता।

### महाशिवरात्रि पर विशेष | सामयिक

# भगवान शिव का पर्व है महाशिवरात्रि

**रमेश सर्राफ धमोरा**
**मोबाइल :9414255034**

महाशिवरात्रि भगवान शिव का त्यौहार है। भारत के सभी प्रदेशो में महाशिव रात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भारत के साथ नेपाल, मारिशस सहित दुनिया के कई अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाते है। हर साल फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिव रात्रि का व्रत किया जाता है। हिन्दू पुराणों के अनुसार इसी दिन सृष्टि के आरंभ में मध्यरात्रि मे भगवान शिव ब्रह्मा से रुद्र के रूप में प्रकट हुए थे। इसीलिए इस दिन को महाशिवरात्रि कहा जाता है। शिवरात्रि के प्रसंग को हमारे वेद, पुराणों में बताया गया है कि जब समुद्र मन्थन हो रहा था उस समय समुद्र में चौदह रत्न प्राप्त हुए। उन रत्नों में हलाहल भी था। जिसकी गर्मी से सभी देव दानव त्रस्त होने लगे। तब भगवान शिव ने उसका पान किया। उन्होंने लोक कल्याण की भावना से अपने को उत्सर्ग कर दिया। इसलिए उनको महादेव कहा जाता है। जब हलाहल को उन्होंने अपने कंठ के पास रख लिया तो उसकी गर्मी से कंठ नीला हो गया। तभी से भगवान शिव को नीलकंठ भी कहते हैं। शिव का अर्थ कल्याण होता है। जब संसार में पापियों की संख्या बढ़ जाती है तो शिव उनका संहार कर लोगों की रक्षा करते हैं। इसीलिए उन्हें शिव कहा जाता है।

यौगिक परम्परा में इस दिन और रात को इतना महत्व इसलिए दिया जाता है क्योंकि यह आध्यात्मिक साधक के लिए जबर्दस्त संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं। आधुनिक विज्ञान कई चरणों से गुजरने के बाद आज उस बिंदु पर पहुंच गया है। जहां वह प्रमाणित करता है कि हर वह चीज जिसे आप जीवन के रूप में जानते हैं। पदार्थ और अस्तित्व के रूप में जानते हैं। जिसे आप ब्रह्मांड और आकाशगंगाओं के रूप में जानते हैं। वह सिर्फ एक ही ऊर्जा है। जो लाखों रूपों में खुद को अभिव्यक्त करती है। माना जाता है की इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और भगवान शिव की पूजा करते है। महाशिवरात्रि का व्रत रखना सबसे आसान माना जाता है। इसलिये बच्चों से लेकर बूढ़ो तक सभी इस दिन व्रत रखते हैं। महाशिवरात्रि के व्रत रखने वालों के लिये अन्न खाना मना होता है। इसलिये उस दिन फलाहार किया जाता है। राजस्थान में व्रत के समय गाजर, बेर का सीजन होने से गांवों में लोगों द्वारा गाजर, बेर का फलाहार किया जाता है। लोग मन्दिरों में भगवान शिव की पूजा करते हैं व उन्हे आक, धतूरा चढ़ाते हैं। भगवान शिव को विशेष रूप से भांग का प्रसाद लगता है। इस कारण इस दिन काफी जगह शिवभक्त भांग घोट कर पीते हैं।

पुराणों में कहा जाता है कि एक समय शिव पार्वती जी कैलाश पर्वत पर बैठे थी। उसी समय पार्वती ने प्रश्न किया कि इस तरह का कोई व्रत है जिसके करने से मनुष्य आपके धाम को प्राप्त कर सके ? तब उन्होंने यह कथा सुनाई थी कि प्रत्यना नामक देश में एक व्यक्ति रहता था, जो जीवों को बेचकर अपना भरण पोषण करता था। उसने सेठ से धन उधार ले रखा था।

समय पर कर्ज न चुकाने के कारण सेठ ने उसको शिवमठ में बन्द कर दिया। संयोग से उस दिन फाल्गुन बदी चतुर्दशी थी। वहां रातभर कथा, पूजा होती रही जिसे उसने भी सुना। अगले दिन शिघ्र कर्ज चुकाने की शर्त पर उसे छोड़ा गया। उसने सोचा रात को नदी के किनारे बैठना चाहिये। वहां जरूर कोई न कोई जानवर पानी पीने आयेगा। अतः उसने पास के बील वृक्ष पर बैठने का स्थान बना लिया। उस बील के नीचे एक शिवलिंग था। जब वह पेड़ पर अपने छिपने का स्थान बना रहा था उस समय बील के पत्तों को तोडकर फेंकता जाता था जो शिवलिंग पर ही गिरते थे। वह दो दिन का भूखा था। इस तरह से वह अनजाने में ही शिवरात्रि का व्रत कर ही चुका

था। साथ ही शिवलिंग पर बेल-पत्र भी अपने आप चढ़ते गये। एक पहर रात्रि बीतने पर एक गर्भवती हिरणी पानी पीने आई। उस व्याध ने तीर को धनुष पर चढ़ाया किन्तु हिरणी की कातर वाणी सुनकर उसे इस शर्त पर जाने दिया कि सुबह होने पर वह स्वयं आयेगी। दूसरे पहर में दूसरी हिरणी आई। उसे भी छोड़ दिया। तीसरे पहर भी एक हिरणी आई उसे भी उसने छोड़ दिया और सभी ने यही कहा कि सुबह होने पर मैं आपके पास आऊंगी। चौथे पहर एक हिरण आया। उसने अपनी सारी कथा कह सुनाई कि वे तीनों हिरणियां मेरी स्त्री थी। वे सभी मुझसे मिलने को छटपटा रही थी। इस पर उसको भी छोड़ दिया तथा कुछ और भी बेल-पत्र नीचे गिराये। इससे उसका हृदय बिल्कुल पवित्र, निर्मल तथा कोमल हो गया।

प्रातः होने पर वह बेल-पत्र से नीचे उतरा। नीचे उतरने से और भी बेल पत्र शिवलिंग पर चढ़ गये। अतः शिवजी ने प्रसन्न होकर उसके हृदय को इतना कोमल बना दिया कि अपने पुराने पापों को याद करके वह पछताने लगा और जानवरों का वध करने से उसे घृणा हो गई। सुबह वे सभी हिरणियां और हिरण आये। उनके सत्य वचन पालन करने को देखकर उसका हृदय दुग्ध सा धवल हो गया और वह फूट-फूट कर रोने लगा।

योगियों और संन्यासियों के लिए यह वह दिन है जब शिव कैलाश पर्वत के साथ एकाकार हो गए थे। योगिक परम्परा में शिव को ईश्वर के रूप में नहीं पूजा जाता है। बल्कि उन्हें प्रथम गुरु, आदि गुरु माना जाता है। जो योग विज्ञान के जन्मदाता थे। कई सदियों तक ध्यान करने के बाद शिव एक दिन वह पूरी तरह स्थिर हो गए। उनके भीतर की सारी हलचल रुक गई और वह पूरी तरह स्थिर हो गए। वह दिन महाशिवरात्रि था। इसलिए संन्यासी महाशिवरात्रि को स्थिरता की रात के रूप में देखते हैं।

महाशिवरात्रि आध्यात्मिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण है। इस रात धरती के उत्तरी गोलार्ध की स्थिति ऐसी होती है कि इंसान के शरीर में ऊर्जा कुदरती रूप से ऊपर की ओर बढ़ती है। इस दिन प्रकृति इंसान को अपने आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। गृहस्थ जीवन में रहने वाले लोग महाशिवरात्रि को शिव की विवाह वर्षगांठ के रूप में मनाते हैं। सांसारिक महत्वाकांक्षाएं रखने वाले लोग इस दिन को शिव की दुश्मनों पर विजय के रूप में देखते हैं।

महाशिवरात्रि का पर्व हमारे जीवन में ईश्वरीय शक्ति के महत्व को दिखलाता है। हमें भगवान शिव के द्वारा मानव जाति तथा सृष्टि के कल्याण के लिए विषपान जैसे असीम त्याग को प्रदर्शित करता है। यह दिन हमें इस बात की याद दिलाता है कि यदि हम अच्छे कर्म करेंगे और ईश्वर के प्रति श्रद्धा रखेंगे तो ईश्वर भी हमारी रक्षा अवश्य केरेंगे। लोगों का मानना है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव हमारे निकट होते हैं और इस दिन पूजा अर्चना तथा रात्रि जागरण करने वालों को उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। कई लोग इस दिन दान धर्म करते है तथा गरीबों को खाना खिलाकर भगवान शिवजी से अपनी सुखी जीवन के लिए प्रार्थना करते है।

### विशेष

# एक लोटा जल और बेलपत्र अर्पण से प्रसन्न होते हैं महादेव

**बाल मुकुन्द ओझा**
**मोबाइल : 9414441218**

महाशिवरात्रि हिन्दुओं के सबसे बड़े पर्वों में से एक है। महाशिवरात्रि का दिन मांगलिक कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार महाशिवरात्रि 8 मार्च को पड़ रही है। इस दिन शुक्र प्रदोष व्रत भी पड़ रहा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष व्रत रखने से भगवान शिव सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं और अपने भक्तों से खुश होते हैं। मान्यता है कि इसी दिन शिवजी और माता पार्वती का विवाह हुआ था। हमारा देश मंदिरों का देश भी कहा जाता है। यहाँ लगभग सभी मंदिरों में शिव दरबार जरूर मिल जाएंगे । शिव मंदिर वैसे देश के हर गली और कौने में स्थापित है। घरों और मंदिरों में इसे लेकर व्यापक तैयारियां चल रही है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की महापूजा और व्रत-उपवास करने की पौराणिक परंपरा है। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की विशेष रूप से पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यता के मुताबिक भगवान शिव की सच्चे मन से पूजा की जाए तो सारे कष्टों और पापों से मुक्ति मिलती है। लोगों की मान्यता

है भोलेनाथ को एक लोटा जल और बेलपत्र अर्पित कर के प्रसन्न किया जा सकता है। इस दिन देशभर के शिव मंदिरों में बच्चे से बुजुर्ग तक विशेषकर महिलायें बेलपत्र, धतूरा, पुष्प, चंदन, फूल, मौसमी फल, गंगाजल, गाय का दूध अर्पित कर भगवान शिव की आराधना करते है। सनातन धर्म में ऐसा माना गया है बरगद और बेल के वृक्ष में भगवान शिव का वास है। बिल्व पत्र बेल नामक वृक्ष के पत्तों को कहा जाता है। भगवान शिव को बिल्व पत्र अत्यंत प्रिय है। इसके वृक्ष के नीचे पूजा-पाठ करना पुण्यदायक माना जाता है। यह कहा जाता है यदि श्रद्धा से बेलपत्र शिवलिंग पर अर्पित कर दिया जाए तो भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों के जीवन के कष्टों को दूर करते हैं। बिल्व के वृक्ष के नीचे शिवलिंग रखकर पूजन करने से शिव जी की कृपा प्राप्त होती है। पर्यावरण की दृष्टि से वातावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए बिल्वपत्र के वृक्ष का महत्व है। बिल्व वृक्ष एक बहु उपयोगी औषधीय वनस्पति है। इसके उत्पाद पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है। यह त्वचा रोग और डायबिटीज से हमारी रक्षा करते है। यह अपने आसपास के वातावरण को शुद्ध और पवित्र बनाए रखता है। घर के आसपास बिल्वपत्र का पेड़ होने पर वहां सांप या विषैले जीवजंतु भी नहीं आते हैं। इस पेड़ की पत्तियां एक साथ तीन की संख्या में जुड़ी होती हैं और इसे केवल एक ही पत्ती माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि बिना बेलपत्र के शिव जी की आराधना पूरी नहीं होती है। धर्मशास्त्रों में भगवान शिव को बेलपत्र आर्पित करने की एक विधि होती है। शिवलिंग पूजा में किस विधि से बेलपत्र चढ़ाया जाना चाहिए। बेल पत्र के तीनो पत्ते त्रिनेत्रस्वरूप भगवान शिव के तीनों नेत्रों को विशेष प्रिय हैं। अगर आप शिवलिंग पूजा के दौरान बेलपत्र चढ़ाती हैं तो इससे भगवान शिव खुश होंगे और आपकी मनोकामना पूरी करेंगे। बिल्वपत्र के वृक्ष में मां लक्ष्मी का वास होता है. कहते हैं कि इसकी पूजा करने से दरिद्रता दूर होती है। धार्मिक मान्यता है बिल्व वृक्ष पर जल चढ़ाने से हर मुसीबत दूर हो सकती है। बेलपत्र चढ़ाने से भगवान शिव का मस्तक शीतल रहता है। यह भी कहा जाता है बिल्व वृक्ष को सींचने से सभी तीर्थों का फल मिल जाता है। बिल्व पत्र का पूजन पाप व दरिद्रता का अंत कर वैभवशाली बनाने वाला माना गया है। इससे हनुमान जी भी प्रसन्न होते हैं क्योंकि वे भगवान शिव के ही अवतार हैं।

### विशेष

# भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं शिव

**योगेश कुमार गोयल**
**मोबाइल : 9034304041.**

देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। महाशिवरात्रि' पर्व फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी को मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 8 मार्च को संध्याकाल 9 बजकर 57 मिनट पर होगी, जिसका समापन 9 मार्च को शाम 6 बजकर 17 मिनट पर होगा। भगवान शिव की पूजा प्रदोष काल में की जाती है, इसलिए महाशिवरात्रि 8 मार्च को मनाई जा रही है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 8 मार्च को महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव जी की पूजा का समय शाम 6 बजकर 25 मिनट से 9 बजकर 28 मिनट तक है। इसके अलावा महाशिवरात्रि के चार प्रहर मुहूर्त हैं। रात्रि प्रथम प्रहर पूजा का समय शाम 6 बजकर 25 मिनट से रात 9 बजकर 28 मिनट तक है, रात्रि द्वितीय प्रहर पूजा का समय रात 9 बजकर 28 मिनट से 9 मार्च की सुबह 12 बजकर 31 मिनट तक, रात्रि तृतीय प्रहर पूजा का समय 12 बजकर 31 मिनट से प्रातः 3 बजकर 34 मिनट तक और रात्रि चतुर्थ प्रहर पूजा का समय 9 मार्च प्रातः 03.34 से 06.37 बजे तक है जबकि व्रत पारण समय 9 मार्च की सुबह 6 बजकर 37 मिनट से दोपहर 3 बजकर 28 मिनट तक है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। धर्मग्रंथों में भगवान शिव को कालों का 'काल' और 'देवों का देव' अर्थात 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं।

सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया।

यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

**महत्त्वपूर्ण**

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## आधारशिला

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी गुरुवार को सिकंदराबाद में मुथ्यालम्मा मंदिर के सामने, अलवाल में एसएच-01 के एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखी।

# 'भारत ने 2022 में श्रीलंका के राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए जोर दिया था'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो। श्रीलंका में 2022 में जन आंदोलन के बीच राष्ट्रपति पद से हटाए गए गोटबाया राजपक्षे ने बृहस्पतिवार को संकेत दिया कि कुछ पश्चिमी शक्तियों के इशारे पर उनके खिलाफ बढ़ते जन असंतोष के बावजूद भारत इच्छुक था कि वह पद पर बने रहें। राजपक्षे (74) ने भारत का नाम लिए बिना अपनी किताब में लिखा, तथ्य यह है कि प्रमुख विदेशी शक्ति मुझसे कह रही थी कि मुझे पद से इस्तीफा नहीं देना चाहिए और उन्होंने इच्छा प्रकट की थी कि श्रीलंका की हर जरूरत की चीज उपलब्ध करायी जाएगी। राजपक्षे ने 'द कन्स्पिरसी टू आउस्ट मी फ्रॉम द प्रेजीडेंसी' शीर्षक से किताब लिखी है जो बृहस्पतिवार से पाठकों के लिए उपलब्ध है। किताब का औपचारिक विमोचन हालांकि नहीं किया गया है। जुलाई 2022 के मध्य में गोटाबाया राजपक्षे का इस्तीफा और देश छोड़कर मालदीव भाग जाना तब हुआ जब भारत ने चार अरब अमरीकी डालर की सहायता के साथ एक कर्ज व्यवस्था का विस्तार किया था। यह सहायता तब दी गई थी जब श्रीलंका की अर्थव्यवस्था दिवालिया हो गई थी और इस घटनाक्रम से पहले चार महीने तक आवश्यक वस्तुओं और ईंधन के लिए देश में लंबी कतारें लगी थीं। उनकी किताब में भारत से मिली इस महत्वपूर्ण सहायता का जिक्र है। पूर्व राष्ट्रपति ने अपनी किताब में लिखा, मैंने श्रीलंका के लोगों को कुछ राहत देने के लिए राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था। गोटाबाया राजपक्षे ने कहा कि दो साल के कोविड-19 लॉकडउन, विद्यालयों के बंद होने और रोजगार के अवसर खत्म होने की वजह से जीवनयापन का खर्च बढ़ गया था। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता था कि मेरे कारण लोगों को लंबे समय तक राजनीतिक गतिरोध में रहना पड़े।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, ...मैंने इस्तीफा दिया ताकि राजनीतिक षडयंत्रों और हमलों के दौर को खत्म किया जा सके जो प्रत्येक व्यक्ति की जिंदगी को मुश्किल बना रहा था। किसी के लिए भी यह दावा करना बेहद मूर्खतापूर्ण होगा कि मुझे सत्ता से बेदखल करने के लिए उठाए गए कदमों में कोई विदेशी हाथ नहीं था।

# इंदौर के दो भाइयों ने 1,900 से ज्यादा बाल विवाह रोककर विश्व कीर्तिमान बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर। पश्चिमी मध्यप्रदेश में पिछले 32 सालों के दौरान 1,965 बाल विवाह रोकने के इंदौर के दो भाइयों के दावे को परखने के बाद 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' ने उनके इस अभियान को विश्व कीर्तिमान का दर्जा दिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' ने महेंद्र पाठक (52) और उनके बड़े भाई देवेंद्र कुमार पाठक (56) के नाम बाल विवाह रोकने के सबसे लम्बे अभियान के शीर्षक से विश्व कीर्तिमान का प्रमाण पत्र जारी किया है।

इंदौर के जिलाधिकारी आशीष सिंह की उपस्थिति में 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' की ओर से पाठक बंधुओं को यह प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। प्रमाणपत्र में दर्ज है कि पाठक बंधुओं ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद से पांच अप्रैल 1992 से 26 फरवरी 2024 तक 1,965 बाल विवाह रोके। अधिकारियों ने बताया कि पाठक बंधु बाल विवाह के खिलाफ महिला और बाल विकास विभाग के लाडो अभियान के उड़नदस्ते से जुड़े हैं तथा वे इंदौर और पश्चिमी मध्यप्रदेश के अन्य जिलों में बाल विवाह रोकने की दिशा में काम करते हैं।

बाल विवाह निरोधक उड़नदस्ते के प्रभारी महेंद्र पाठक ने पीटीआई-भाषा से कहा, गुजरे बरसों के दौरान बाल विवाह में हालांकि कमी आई है, लेकिन खासकर लड़कियों के बाल विवाह अब भी थमे नहीं हैं। उन्होंने बताया कि अक्सर लड़कियों के परिजन सामाजिक कुरीतियों और गरीबी के चलते उनका बाल विवाह कर देते हैं, तो कई बार लड़कियों के घर से भागकर प्रेम विवाह करने की आशंका के चलते भी उनका बाल विवाह कर दिया जाता है।

पाठक ने कहा, कम उम्र में लड़कियों की शादी का एक दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह भी है कि कई परिजन सोचते हैं कि अगर उनकी बेटी का जल्दी विवाह हो जाएगा, तो वह समाज में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों से बची रहेगी। देश में 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के और 18 साल से कम आयु की लड़की की शादी बाल विवाह की श्रेणी में आती है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत दोषी को दो वर्ष तक के सश्रम कारावास अथवा एक लाख रुपये तक के जुर्माने या दोनों सजाओं का प्रावधान है।

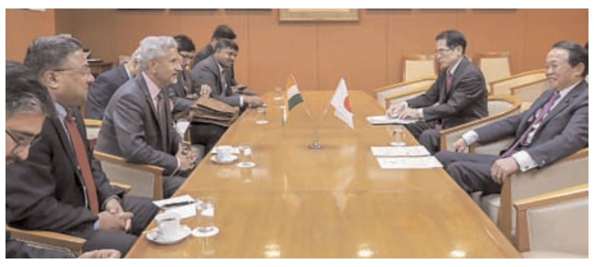

# भारत और जापान संयुक्त राष्ट्र की संरचना को और अधिक समसामयिक बनाना चाहते हैं : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोक्यो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और जापान बहु ध्रुवीय एशिया की केंद्रीय शक्तियां हैं और दोनों देश संयुक्त राष्ट्र की संरचना को और अधिक समसामयिक बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश स्वतंत्र, पारदर्शिता और नियम-आधारित व्यवस्था के पक्ष में संतुलन बनाए रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र संरचना को और अधिक समसामयिक बनाना चाहते हैं। जयशंकर दक्षिण कोरिया और जापान की चार दिवसीय यात्रा के दूसरे चरण के तहत इस समय तोक्यो में है। उन्होंने कहा कि दुनिया देखेगी कि दोनों देश विभिन्न संबंधों और योजनाओं के माध्यम से साझा लक्ष्य में एक-दूसरे का समर्थन कैसे करते हैं। मंत्री ने यहां पहले 'रायसीना गोलमेज सम्मेलन' को संबोधित करते हुए वैश्विक संगठन में सुधार की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र में सुधार बहुत महत्वपूर्ण है। जी4 समूह के साथी सदस्यों के रूप में, भारत और जापान संयुक्त राष्ट्र संरचनाओं को और अधिक समसामयिक बनाना चाहते हैं। जयशंकर ने कहा, यह स्पष्ट रूप से एक मुश्किल कार्य है, लेकिन इसमें हमें दो शक्तियों के रूप में दृढ़ रहना होगा जो बहु ध्रुवीय एशिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र की संरचना को और अधिक समसामयिक बनाना चाहते हैं।

समकालीन वैश्विक वास्तविकता को प्रतिबिंबित करने के लिए सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने की मांग बढ़ रही है, जिसमें भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और जापान मजबूत दावेदार हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत और जापान को इस बात पर गौर करना होगा कि दुनिया अब अधिक अस्थिर, अनिश्चित, अप्रत्याशित और खुले विचारों वाली है। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने जयशंकर की यात्रा से पहले एक बयान में कहा, था कि रायसीना गोलमेज सम्मेलन भारत और जापान के बीच आदान-प्रदान को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

# संबंधों में सुधार के बावजूद अमेरिका हमें दबाने की रणनीति तैयार कर रहा : चीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि अमेरिका वैश्विक स्तर पर चीन के उभार को रोकने की रणनीति तैयार कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका द्वारा चीन की और कंपनियों को प्रतिबंधित सूची में शामिल करने के लिए बाइडन प्रशासन की आलोचना की। चीन की विधायिका की वार्षिक बैठक के दौरान मीडिया से बात करते हुए वांग यी ने कहा कि नवंबर में राष्ट्रपति शी चिनफिंग और जो बाइडन की मुलाकात के बाद से अमेरिका के साथ चीन के रिश्ते बेहतर हुए हैं, लेकिन अमेरिका ने अपने वादे पूरे नहीं किए हैं। उन्होंने कहा, यदि अमेरिका हमेशा कहता कुछ है और करता कुछ और है, तो एक प्रमुख शक्ति के रूप में उसकी विश्वसनीयता कहां है? अगर चीन का नाम सुनते ही अमेरिका घबरा जाता है और चिंतित हो जाता है, तो एक महाशक्ति के रूप में उसका विश्वास कहां हैं? वांग ने कहा, अगर अमेरिका चीन को दबाने के लिए तुला हुआ है, तो अंततः उसे ही नुकसान होगा। वांग ने अपील की कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों को फलस्तीन को विश्व निकाय का सदस्य बनने से रोकने का प्रयास नहीं करना चाहिए। अनुभवी राजनयिक 70 वर्षीय वांग राष्ट्रपति के विश्वासपात्र के रूप में उभरे और पिछली गर्मियों में उन्हें विदेश मंत्री के पद पर फिर से नियुक्त किया गया। इससे पहले तत्कालीन विदेश मंत्री चिन गांग को करीब छह महीने के कार्यकाल के बाद बिना किसी स्पष्टीकरण के अचानक बर्खास्त कर दिया गया था।

## रैली

श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में गुरुवार को एक विशाल सार्वजनिक रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुनते लोग।

# 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

ओटीटी प्लेटफार्म अमेजन प्राइम वीडियो की नई सीरीज 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' एक गर्ल्स बोर्डिंग स्कूल की कहानी है और इसमें सारे मुख्य किरदार यंग लड़कियां हैं।यह सीरीज नित्या मेहरा द्वारा बनाई गई है और इसका निर्देशन सुधांशु सरिया, करण कपाड़िया और कोपल नैथानी के साथ नित्या ने किया है।

बिग गर्ल्स डोंट क्राई का ट्रेलर 'वंदना वैली' स्कूल में बोर्डिंग लाइफ की एक झलक दिखाता है, जहां सात लड़कियों का एक ग्रुप स्कूल पर शासन करने के इरादे से अपने आखिरी साल की तैयारी कर रहा है। एक लड़की, काव्या यादव दोस्त बनाने और जीवन जीने की उम्मीद में स्कूल में आती है, लेकिन जल्द ही उसे पता चल जाता है कि यहां के माहौल में ढलने के लिए उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' 14 मार्च से अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम होगी।

# पहली से कहीं ज्यादा बड़ी होगी 'पुष्पा-2'

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारत के सुपर सितारे अल्लू अर्जुन के करियर में वर्ष 2021 में प्रदर्शित हुई लेखक निर्देशक सुकुमार की पुष्पा ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस फिल्म की अप्रत्याशित पैन इंडिया सफलता ने अल्लू अर्जुन को राष्ट्रीय सितारे की हैसियत प्रदान की। इस फिल्म का फीवर दर्शकों के सिर चढ़कर बोला था और इसी के साथ 'पुष्पा' ने देश और दुनिया में रिकॉर्ड तोड़ कमाई भी की थी। वहीं दर्शकों को अब 'पुष्पा 2' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना ने मुख्य नायिका की भूमिका निभाई थी, जो पुष्पा-2 में भी हैं। हाल ही में उन्होंने एक साक्षात्कार में पुष्पा-2 को लेकर बातचीत की थी।

रश्मिका ने 'पुष्पा 2' बारे में बात की और वादा किया कि सुकुमार निर्देशित फिल्म पहले से कहीं ज्यादा बड़ी होगी। रश्मिका ने कहा, यह बहुत अच्छी चल रही है। हमें फिल्म बनाने में लगभग 50 से ज्यादा दिन हो चुके हैं और अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है, लेकिन जैसा कि मैं हमेशा अपने दर्शकों से वादा करती रहती हूं कि यह पहले से कहीं ज्यादा बड़ी होने वाली है। इसमें बहुत मेहनत की गई है और डिटेल्स पर काफी ध्यान दिया गया है। हर किरदार पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है और यह सरप्राइजिंग है।

वैसे इससे पहले भी रश्मिका ने 'पुष्पा 2' पर अपडेट शेयर किया था। पिंकविला को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने खुलासा किया था कि उन्होंने 'पुष्पा 2' के लिए एक गाने की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने कहा था, हमने पहली फिल्म में कुछ पागलपन दिखाया, पार्ट 2 में, हम जानते हैं कि हमारी एक ज़िम्मेदारी है क्योंकि लोगों को फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं।

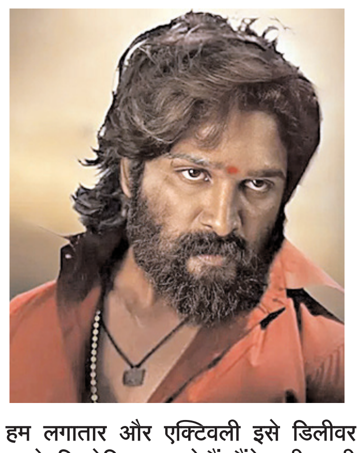

हम लगातार और एक्टिवली इसे डिलीवर करने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने अभी-अभी 'पुष्पा 2' के लिए एक गाने की शूटिंग की और मैंने कहा, 'आप लोग इस बारे में कैसे सोच रहे हैं?' हर कोई एक अच्छी फिल्म बनाने के लिए इंस्पायर होता है। हम सभी बाहर गए हैं और इस प्रोसेस को एंजॉय कर रहे हैं। यह एक ऐसी कहानी है जिसका कोई एंड नहीं है, आप इसे किसी भी निर्देशन में ले जा सकते हैं। यह मजेदार है।''

'पुष्पा: द राइज़' साल 2021 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को भी सुकुमार ने लिखा था और डायरेक्ट भी किया था। ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। तभी से फैंस 'पुष्पा 2: द रूल' को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। खबरें हैं कि 'पुष्पा 2' की शूटिंग का अब फाइनल शेड्यूल चल रहा है। 'पुष्पा 2' से अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक रिवील हो चुका है। पोस्टर में वह साड़ी पहने हुए नजर आए थे और उनका चेहरा नीले और लाल रंग से रंगा हुआ था। दर्शकों को अब रश्मिका मंदाना के फर्स्ट लुक पोस्टर का इंतजार है। ये फिल्म सिनेमाघरों में 15 अगस्त 2024 को दस्तक देगी।

# फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता कुणाल खेमू के निर्देशन में बनी फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। कुणाल खेमू फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' के साथ निर्देशन के क्षेत्र में डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' का ट्रेलर रिलीज हो गया है।इस फिल्म में दिव्येंदु शर्मा, प्रतीक गांधी और अविनाश तिवारी की मुख्य भूमिका है।'मडगांव एक्सप्रेस' के ट्रेलर में एक भूली-बिसरी यारी, हंसने-मुस्कराने और जंगल में सफर की रोमांचक यात्रा को दिखाया गया है।

मडगांव एक्सप्रेस की कहानी तीन ऐसे दोस्तों की है, जो बचपन से ही गोवा जाने का सपना संजोए हैं। तीनों का यह सपना पूरा भी हो जाता है। वो जैसे-तैसे गोवा पहुंच जाते हैं। लेकिन वहां नोरा फतेही और उनके साथ छाया कदम और उपेंद्र लिमये मिलते हैं, जो उनकी इस यात्रा को और रोमांचक बना देते हैं।

'मडगांव एक्सप्रेस' में नोरा फतेही,उपेन्द्र लिमये और छाया कदम भी हैं। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस में बनी 'मडगांव एक्सप्रेस' एक कॉमेडी फिल्म है, जो तीन दोस्तों के एक अतरंगी रोड ट्रिप पर आधारित होगी। फिल्म में तीन बचपन के दोस्त गोवा की यात्रा पर निकलते हैं, बीच रास्ते में उनके साथ क्या-क्या गुजरती है इसे हलकी-फुलकी कॉमेडी के रूप में इस फिल्म में पेश किया गया है। 'मडगांव एक्सप्रेस' 22 मार्च, 2024 को रिलीज होगी।

# प्रभास और दिशा पटानी ने 'कल्कि 2898 एडी' के लिए इटली में एक विशेष गाना शूट किया

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास और बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी ने अपनी आने वाली फिल्म 'कल्कि 2898 एडी'के लिए इटली में एक विशेष गाना शूट किया है। फिल्म निर्माता नाग अश्विन की आने वाली

विज्ञान कथा महाकाव्य 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी ने अपनी घोषणा के बाद से ही दर्शकों को उत्सुक बनाए रखा है। फिल्म के प्रमुख हिस्से की शूटिंग पहले ही हो चुकी है, फिल्म के मुख्य कलाकार प्रभास, सह-कलाकार दिशा पटानी, निर्देशक नाग अश्विन और निर्माता प्रियंका दत्त के साथ, हाल ही में फिल्म के एक गाने की शूटिंग के लिए इटली गए थे। यह गाना इटली के कैसर्टा में राजसी रॉयल पैलेस ऑफ कैसर्टा में फिल्माया गया था। सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा करते हुए, टीम 'कल्कि 2898 एडी' ने पूरी टीम और निर्माताओं के साथ प्रभास और दिशा पटानी की एक तस्वीर साझा की, जिसमें लिखा था, इटली लो आता पता । नाग अश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्देशित, 'कल्कि 2898 एडी' एक पैन इंडिया फिल्म है।यह फिल्म 09 मई, 2024 को पूरे भारत में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# किरदार को महसूस करना जरूरी है : मौनी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय का कहना है कि कलाकारों को अपने किरदार को महसूस करने की जरूरत है, जिससे दर्शक उनके किरदार से जुड़ सकें। मौनी रॉय इन दिनों अपनी आने वाली वेबसीरीज शो टाइम को लेकर चर्चा में है।करण जौहर के धर्मेटिक एंटरटेनमेन्ट के बैनर तले बनी शो टाइम बॉलीवुड के पर्दे के पीछे के कई दिलचस्प किस्सों को लेकर बनायी गयी है। मौनी राय ने इस शो यास्मीन अली की भूमिका निभायी है।

मौनी रॉय ने कहा, 'जब मैं सेट पर होती हूं तो मुझे यास्मीन अली से पूरी सहानुभूति होगी और मैं किरदार को जीऊंगी। मुझे लगता है कि यदि मैं किरदार को महसूस नहीं करूंगी तो दर्शक किरदार से जुड़ नहीं पाएंगे। एक्शन और कट के बीच, मुझे वह सब महसूस हुआ जो महसूस करने की जरूरत थी, लेकिन काम करने के बाद, मैं खुद बनना शुरू कर दूंगी। मैं 17 वर्षों से काम कर रही हूं इसलिए मेरे लिए तुरंत स्विच ऑन और स्विच ऑफ करना आसान है। शो टाइम में इमरान हाशमी, मौनी रॉय, नसीरउद्दीन साह ,श्रिया सरन, राजीव खंडेलवाल, विशाल वशिष्ठ और महिमा मकवाना,की अहम भूमिका है।धर्मेटिक एंटरटेनमेन्ट द्वारा निर्मित, सुमित रॉय और शोरनर मिहिर देसाई द्वारा रचित एवं लिखित, इस सीरीज का निर्देशन मिहिर देसाई और अर्चित कुमार ने किया है। वेबसीरीज शोटाइम 08 मार्च 2024 को डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब जीवन में ईश्वर की अनुभूति हो जाती है तो आत्मा और परमात्मा का मिलन स्थापित हो जाता है और मानव जीवन में शांति का संचार हो जाता है। यदि मन में ईश्वर के प्रति प्रेम और विश्वास है तो विपरीत परिस्थितियाँ भी भक्त को नहीं डरातीं। ईश्वर पर विश्वास शांति-सुकून देता है और इसलिए भक्त आनंद की स्थिति में रहता है। ईश्वरीय ज्ञान व्यक्ति को इस ईश्वर से जोड़े रखता है जिससे मन में स्थिरता आती है। ईश्वर से जुड़कर ही व्यक्ति को परम शांति की प्राप्ति होती है।

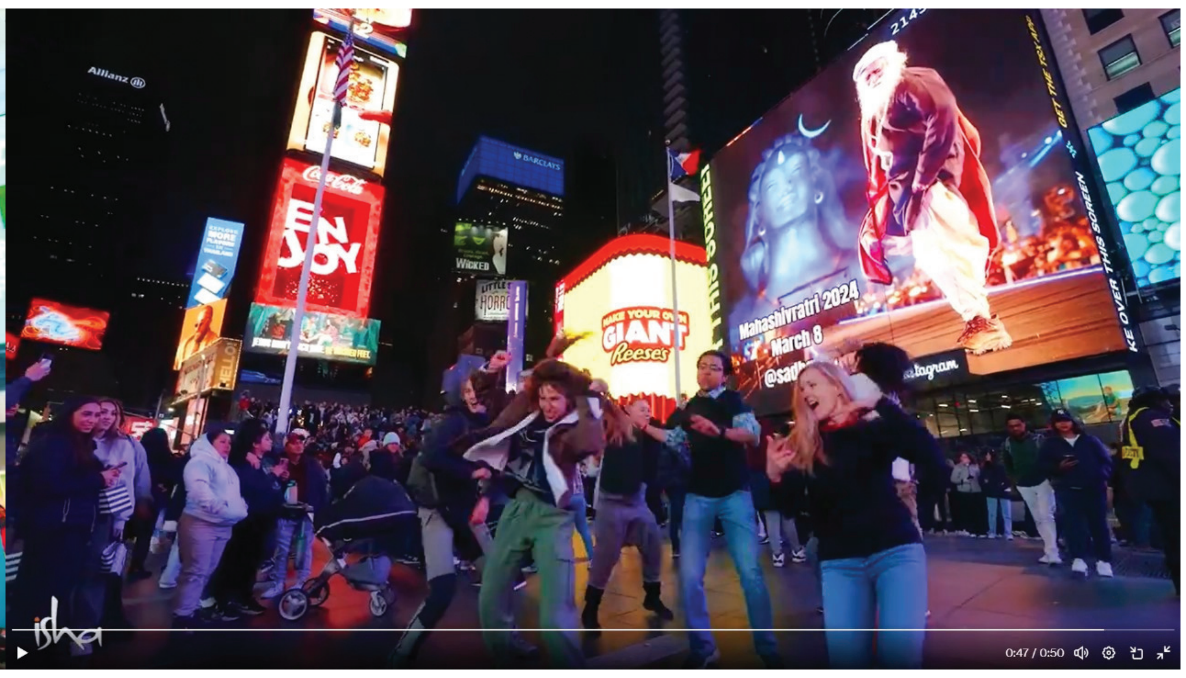

# सद्गुरु के साथ महाशिवरात्रि के लिए जगमगा उठा टाइम्स स्क्वायर

## 'हर-हर महादेव' पर थिरकते दिखे लोग

गुरुवार को सद्गुरु ने पोस्ट किया, दुनिया शिव की महान रात्रि के महत्त्व को समझ रही है। टाइम्स स्क्वायर वीडियो में जहां न्यूयॉर्कवासी इसे देखने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं, वहीं भारत में आदियोगी में महाशिवरात्रि का जादू छा रहा है। वीडियो को साझा करते हुए ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु ने पोस्ट किया, 'टाइम्स स्क्वायर, न्यूयॉर्क ने किया महाशिवरात्रि का स्वागत! दुनिया मानव क्षमता को बढ़ाने और परिवर्तन के अवसर के उत्सव के रूप में शिव की महान रात्रि के महत्त्व को समझ रही है। आइए, इसे साकार करें।'

# जयगोपाल गरोदिया विद्यालय का वार्षिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां परुथिपट्टु के एमजीआर नगर के ग्रीन सिटी में स्थित जयगोपाल गरोडिया विद्यालय परिसर में बुधवार को अपना पहला वार्षिक दिवस मनाया। सलाहकार सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ . टीपी अलगनंथम ने समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना गीत के साथ हुई, जिसके बाद गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्वलित किया। प्रबंध न्यासी अशोक केडिया ने स्वागत किया। उद्घाटन भाषण ट्रस्टी एरा मेयप्पन ने दिया।

प्रिंसिपल वी राजेश ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस मौके पर ट्रस्टी हितेश कनोडिया, सलाहकार आर सेथुरमन और अन्ना नगर के वरिष्ठ प्राचार्य जी विजयकुमार उपस्थित थे। प्रत्येक कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों एवं शत-प्रतिशत उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह के बाद स्कूल के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आह्वान नृत्य भरतनाट्यम से शुरू होने वाले विभिन्न राज्यों के नृत्य शामिल थे।

# वैष्णव कॉलेज में मेगा रक्तदान शिविर

## रिकार्ड 2036 यूनिट रक्त हुआ संचय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 5 व 6 मार्च को दो दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव कॉलेज में किया गया।

इस शिविर में राजीव गांधी सरकारी जनरल अस्पताल, ओमंदूर सरकारी जनरल अस्पताल, स्टेनली सरकारी जनरल अस्पताल और चेन्नई स्वैच्छिक रक्तदान बैंक से डॉक्टरों ने आकर रक्त एकत्र किया। दो दिवसीय शिविर में विद्यार्थियों एवं प्रोफेसरों ने 2036 यूनिट रक्तदान किया। राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के. कल्पनादेवी, डॉ. रमेश, डॉ. वीरराघवन, डॉ. वी. सतीश कुमार आदि ने अपनी सेवाएं दी। कॉलेज के सचिव अशोक कुमार मूंधड़ा नें इसे एक अपार सफलता बताया।

# महिला दिवस पर वी फॉर ह्यूमैनिटी संस्था द्वारा नवजात शिशुओं के लिए मच्छरदानी कंबल भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। गुरुवार को नारायणनगर स्थित एम जी आर सरकारी अस्पताल (णझकउ) में सामाजिक संस्था वी फॉर ह्यूमैनिटी द्वारा नवजात शिशुओं के लिए उनकी माताओं को बेबी मच्छरदानी, बेबी कंबल, महिलाओं के लिए खजूर, बिस्कुट आदि वितरित किए गये।

पीएचसी प्रमुख डॉ मालरविली मैडम ने वी फॉर ह्यूमैनिटी के सदस्यों का अस्पताल में स्वागत किया तथा महिला दिवस के उपलक्ष पर गरीब जरूरतमंद माताओं की सहायता करने हेतु स्वेच्छा से आगे आने के लिए के लिए धन्यवाद दिया।

वी फॉर ह्यूमैनिटी एक ऐसा समूह है जो करुणा से भरे उदार लोगों को एक मंच पर एक साथ आने के लिए बनाया गया है और इसका उद्देश्य सिर्फ ऐसे जरूरतमंद परिवार या सदस्यों के चेहरों पर खुशी लाना है जो धन के अभाव में अच्छी शिक्षा, अच्छे स्वास्थ्य और पारिवारिक खुशी (बच्चों की शादी इत्यादि) का खर्च नहीं उठा सकते। यहां सदस्य न्यूनतम दान से अधिकतम खुशियां बांटते हैं। इस अवसर पर मनोज सिंघवी, अमित गुप्ता, मंजुला डुंगरवाल, राकेश पटेल, ताराचंद खटोर, निशांत अग्रवाल, राजेश खटेड़, तरुण गर्ग, संगीता फुलफगर, तरुण दाणी, नितेश जैन आदि मौजूद थे। पी एच सी डाक्टर की ओर से मरीजों के लिए शुद्ध पेय जल की आवश्यकता का प्रस्ताव रखा गया जिसपर सदस्यों ने विचार-विमर्श कर शीघ्र उचित क्रियान्वयन का भरोसा दिलाया।

अस्पताल कर्मचारियों, विशेषकर तमिलसेल्वन ने व्यवस्था में सहयोग किया।

# अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। छात्रों में शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा उनमें निष्ठा, देशभक्ति एवं सद्भावना जैसे गुणों को जागृत करने के उद्देश्य से 7 मार्च को अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में स्काउट एवं गाइड का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ ईश वंदना एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। डॉ के अलमेलु (स्टेट कमिश्नर – गाइड एडल्ट रिसोर्सेर ) ने मुख्य अतिथि के पद को सुशोभित किया।

एसजीटी गणित एवं स्काउट शिक्षिका एम. राजलक्ष्मी ने मंच का संचालन किया तथा अपने स्वागत भाषण से सभी अतिथियों का स्वागत किया। शारीरिक प्रशिक्षण अध्यापिका निशांति ने स्काउट के महत्व एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। सुश्री जया ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। वरिष्ठ उप प्रधानाचार्य रघुदेव एवं उप प्रधानाचार्या माहेश्वरी मारन ने पुष्प गुच्छ एवं शॉल ओढाक़र मुख्य अतिथि का सम्मान किया।

मुख्य अतिथि ने छात्रों को स्काउट के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, सीखने की कोई उम्र नहीं होती है एवं इसमें सभी वर्ग के व्यक्ति हिस्सा ले सकते हैं। आपने यह भी बताया की किस तरह से छात्र स्काउट की सहायता से अपने अंदर विभिन्न प्रकार के शारिरिक, मानसिक एवं नैतिक गुणों को जागृत कर सकते हैं। इस समारोह में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मनोरंजन भी किया। केजी अध्यापिका श्रीरती के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह संपन्न हुआ। इस समारोह में निरंतर अपना सहयोग प्रदान करने के लिए अध्यक्ष मधुसूदन खेमका, सचिव मुरारीलाल सोंथालिया तथा सभी पदाधिकारी एवं समिति सदस्यों और प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी का विद्यालय ने हृदय से आभार व्यक्त किया।

# गौशाला में संतों का स्वागत, हुए अनेक अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयम्बटूर एनिमल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित भगवान महावीर गौशाला में तीर्थंकर महावीर, भगवान कृष्ण और अन्य देवी देवताओं के मंदिर की रत्नत्रयी प्राणप्रतिष्ठा के दूसरे दिन हुए विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, साधु साध्वी का प्रवेश हुआ। यहां माईलेरीपाल्यम स्थित महावीरगौशाला में गुरुवार को आचार्यवल्लभसूरी समुदाय के पंन्यास सूर्यादय विजय, आचार्य उदयप्रभसूरीजी समुदाय के साध्वीश्री हितार्थ रत्नश्रीजी आदि के सान्निध्य में 18 अभिषेक पूजा हुई और पंच कल्याणक पूजा और सनातन विधि से भगवान श्रीकृष्ण की पूजा हुई।

पंन्यासश्री ने कहा कि दक्षिण भारत में गौशालाओं में भगवान महावीर गौशाला के नाम प्रथम श्रेणी में आता है। यहां एक मंदिर है जहां भगवान महावीर और भगवान श्रीकृष्ण विराजतें हैं। सनातन और जैन धर्म का अद्भुत संगम है।

गौसेवकों ने संतों के सान्निध्य में सकल संघ की एक शोभायात्रा निकाली। महावीर गौशाला के ध्यक्ष बाबूलाल सिंघवी ने सभी का स्वागत किया। संचालन सचिव प्रसन्न कोठारी ने किया। इस मौके पर उपाध्यक्ष बाबूलाल बागरेचा, पूर्व अध्यक्ष प्रवीण कुमार, कोषाध्यक्ष दिनेश कवाड, सह सचिव दिलीप चैंपियन सह कोषाध्यक्ष प्रकाश अंडोनी आदि सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

# सरकारी लाइब्रेरी निर्माण में सहयोग

**बेंगलूरु।** अड्डकमारनहली में सरकारी लाइब्रेरी निर्माण व पुस्तकों की व्यवस्था हेतु देवराज मूलचंद नाहर चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आर्थिक योगदान दिया गया। गुरुवार को उसका उद्घाटन ए. कृष्णप्पा की उपस्थिति में मूलचंद नाहर व मुकेशकुमार नाहर के कर कमलों से हुआ। इस अवसर पर गांव के मुखिया ने दानदाताओं का सम्मान किया। इस मौके पर गौतम मुथा, प्रकाश बाबेल, ललित आच्छा, महावीर ओस्तवाल, माणकचंद मुथा, श्रीवास्तव, पवन मरलेचा, विक्रम सेठिया, अशोक नागोरी, रूपचंद देसरला आदि उपस्थित थे।

# आज ईशा योग केन्द्र में होगा महाशिवरात्रि महोत्सव

- कार्यक्रम में नि:शुल्क प्रवेश
- अन्नदान व पवित्र प्रसाद सभी के लिए नि:शुल्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। भक्त और आम जनता ऑनलाइन पंजीकरण करके कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में महाशिवरात्रि उत्सव में मुफ्त में भाग ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, उत्सव में भाग लेने वाले हजारों लोगों को मुफ्त भोजन की एक पवित्र पेशकश, अन्नदानम की पेशकश की जाएगी।

केंद्र में शाम 6 बजे से अगले दिन सुबह 6 बजे तक महाशिवरात्रि उत्सव पूरी भव्यता से मनाया जाएगा। पंजीकरण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगा।

यह आयोजन, जो जीवन के सभी क्षेत्रों से हजारों लोगों को आकर्षित करेगा। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उपस्थिति होगी। मंच पर शंकर महादेवन, गुरदास मान, पवनदीप राजन, रथजीत भट्टाचार्जी, महालिंगम, मूरलाल मारवाड़ा, पैराडॉक्स, एमसी हेम, धारावी प्रोजेक्ट जैसे रैपर्स, फ्रांसीसी संगीतकार, साउंड्स ऑफ ईशा और ईशा संस्कृति जैसे प्रसिद्ध कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियां होंगी। आदियोगी के सान्निध्य में सद्गुरु द्वारा रात्रि जागरण पर विशेष व्याख्यान होगा। विभिन्न चैनलों के साथ ऑनलाइन यूट्यूब पर इस कार्यक्रम को लाखों लोग पूरे विश्व में देखेंगे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.